पाटण श्रीहेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमन्दिरस्थित तपगच्छ जैन ज्ञानभण्डारना हस्तलिखित ग्रन्थोनुं सूचिपत्र – द्वितीयो विभागः

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४७९०	उत्तराध्ययनसूत्रबृहद्वृत्ति-पाइयटीका	२३४	सं.	शान्त्याचार्य	१८,०००		१६मो	उत्तम	१४।। × ५।।
१४७९१	आवश्यकसूत्र ,, -शिष्यहिता[१]	३२५	,,	हरिभद्रसूरि	२२,०००		१४७३	,,	१४।। × ५।।
१४७९२	सूत्रकृताङ्गसूत्रवृत्ति	१४६	,,	शीलाङ्काचार्य	१३,८५०		१६मो	,,	१४ × ५।।
१४७९३	भगवतीसूत्रवृत्ति	३२९	,,	अभयदेवसूरि	१८,६१६	११२८	१५८५	,,	१३।। × ५।
१४७९४	भगवतीसूत्र सटीक पञ्चपाठ[२]	२९२	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि, टी. अभयदेवसूरि	मू.१५७५० टी.१८६१६	टी.११२८	१६२०	,,	१३।। × ५
१४७९५	भगवतीसूत्र सटीक मूल[३]	२८३	प्रा०	,,	१५,७५२		१५८५	,,	१३।। × ५
१४७९६	स्थानाङ्गसूत्रवृत्ति	२५४	सं.	अभयदेवसूरि	१४,२५०	११२०	१६मो	मध्यम	१३।। × ५।।
१४७९७	दशवैकालिकसूत्र सटीक[४]	९८	प्रा.सं.	मू. शय्यम्भवसूरि, टी. हरिभद्रसूरि	७,५५०		१४७३	उत्तम	१४।। × ५।।
१४७९८	आचाराङ्गसूत्रनिर्युक्ति	४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	४००		१५मो	,,	१४।। × ५।।
१४७९९	गोमटसार त्रुटक अपूर्ण[५]	९३९	,,				१७मो	,,	१३।। × ६
१४८००	विशेषसत्तात्रिभङ्गीयन्त्र	३१	प्रा.सं.			१६९३	१७४२	जीर्ण	१२।। × ५।।।
१४८०१	आश्रव-बन्ध-उदय-उदीरणा-सत्ता-भाव-त्रिभङ्गीविषयकयन्त्रो	९६	,,				१८मो	,,	१२।। × ६
१४८०२	सङ्ग्रहणीप्रकरणयन्त्र	३-४	सं.				१७मो	उत्तम	१२ × ४।।
१४८०३	कालग्रहणविचार	२	प्रा.सं.		१४३		१६मो	मध्यम	११। × ५।
१४८०४	उपदेशमालाप्रकरण सस्तबक अपूर्ण	५	प्रा.गु.	मू. धर्मदासगणि			१९मो	उत्तम	११।। × ५
१४८०५	१. श्रीपालनरेन्द्रकथोद्धार गद्य २. सिद्धचक्रस्तुति-स्तोत्र	१५	प्रा.सं				१५७९	,,	११। × ५।
१४८०६	रसाउलओ-गाथाकोष[६]	९	प्रा.	पौर्णमीय मुनिचन्द्र	गा. ३५३		१६१२	,,	११ × ४।।।
१४८०७	वर्धमानजिनस्तवन	४	गु.	हंसराज	गा. ७४		१९मो	,,	११ × ५
१४८०८	अष्टदृष्टिस्वाध्याय	६	,,	उपा. यशोविजयजी			,,	,,	११। × ५
१४८०९	सम्यक्त्वकौमुदी पद्य अपूर्ण	३९	सं.				,,	मध्यम	१०।।। × ५।।
१४८१०	अजाकुमाररास	१४	गु.	सौभाग्यरत्न धर्मदेवगुरु	गा.३७६	१५६१	१८५५	उत्तम	१०।।। × ५।
१४८११	उत्तमकुमारचरित्र गद्य	२१	सं०		५७४		१६७६	मध्यम	११ × ५।

१. पत्र १६४ मुं नथी. २. पत्र २३० मुं डबल छे. ३. प्रथम पत्रमां समवसरणनु चित्र छे. ४. पत्र ४२मुं डबल छे. ५. दिगम्बर ग्रन्थ पत्र १ थी २३, ४०४ थी ५०४, ५४३ थी ५५५, ६०४ थी ६०७, ६६७ थी ७२९ अने ९०९मुं नथी. ६. वज्जालग जेवो ग्रन्थ.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४८१२	पाक्षिकसूत्रावचूरि सम्पूर्ण	१०-२४	सं.		७००		१६मो	मध्यम	११ × ४।।।
१४८१३	आलापपद्धति	१०	,,	दिगम्बर देवसेन			१७मो	उत्तम	११ × ५
१४८१४	प्रभावकचरित्र	१४५	,,	प्रभावचन्द्रसूरि	५,७८४		१९४७	,,	११ × ५।
१४८१५	महावीरस्तवन दीपालिकास्तवन	६	गु.	गुणहर्ष	गा.१२१		१८२८	,,	९। × ५
१४८१६	दीपालिकास्तवन	५	,,	सकलचन्द्र	गा. ७६		,,	,,	९। × ५
१४८१७	स्तवन-सज्झायादिसंग्रह[1]	८४	,,				,,	,,	१०।। × ४।।।
१४८१८	ज्ञानपञ्चमीस्तवन	२	,,	समयसुन्दर			१९मो	,,	९। × ४।।।
१४८१९	विनयश्रुताध्ययन	३	प्रा				१७मो	,,	९ × ४।।।
१४८२०	अढारपापस्थानकस्वाध्याय	११	गु	उपा. यशोविजयजी			१९मो	,,	९। × ४।।।
१४८२१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१८५	प्रा.	सुधर्मास्वामि	५,२५०		१५९७	,,	९।। × ५
१४८२२	भक्तिवर्द्धिनीविवृत्ति	७	सं.	रघुनाथ			१८मो	,,	९ × ४।
१४८२३	पाक्षिकसूत्र	१२	प्रा.		गा.३००		१९मो	,,	९ × ४।।
१४८२४	नवतत्त्वप्रकरण	५	,,		गा.४६		१७३५	,,	९। × ४।
१४८२५	नेमिनाथशलोको	१०	गु	कुशलकल्याण	गा. ७२	१७९८	२९मो	,,	९ × ४।।।
१४८२६	सिद्धान्तसूक्ष्मविचार	१४	,,				,,	,,	९।।। × ४।।।
१४८२७	१. जीरावलापार्श्वनाथवीनति			१. विमलधर्म	गा. १८				
	२. जीवदयाकुलक			२. सोमसुन्दरसूरि	गा. १५				
	३. महावीरवीनति				गा. १४				
	४. हेमविमलसूरिसज्झाय			४. सुन्दरहंस	गा. १०				
	५. पार्श्वनाथवीनति	२१-३१	,,	५. चड्यो	गा. ३४		१५६९	,,	८।। × ४
	६. गौतमस्वामिरास			६. विनयप्रभ	गा. ४५	१२१२			
	७. ज्ञानपञ्चमीस्वाध्याय				गा. १५				
	८. गुर्वावलीस्वाध्याय				गा. १४				
१४८२८	उत्तराध्ययनस्वाध्याय	११	,,	वाचक उदयविजय			१८मो	,,	९ × ४।।
१४८२९	जिनगर्भस्थित्यादिप्रकीर्णक	४	,,				१९मो	,,	९ × ४।।।
१४८३०	परधरीप्रासादबिम्बप्रवेशस्तवन	३	,,	रत्नचन्द्रमुनि	गा. ३१		,,	,,	८।। × ४।।
१४८३१	स्तवन-स्वाध्यायसंग्रह	१०	,,	धर्मसङ्घमुनि			१८मो	,,	८। × ४।

१. अनेक जातनां छूटां पत्रो

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४८३२	उपधानविधि	८	गु				१९मो	उत्तम	८।। × ४।।
१४८३३	स्थूलभद्रनवरसो	४	,,	उदयरत्न	गा.९९	ग्रं.१३०	१७५९	,,	८। × ४।।
१४८३४	चिहुंगतिचोपाई[१]	७	,,	वर्स्तांग	९६		१६मो	मध्यम	७।। × ४।
१४८३५	प्रसन्नचन्द्रराजर्षिरास	१३	,,	राजसागर	गा.२९९	१६४७	१६७५	उत्तम	७।। × ४।।
१४८३६	सत्तरिसयजिनस्तवन	५	,,	विशालसुन्दरसूरिशिष्य	गा. ६५		१८मो	,,	७। × ४।।
१४८३७	१. शत्रुञ्जयस्तवन २. नेमिनाथस्तवन ३. शत्रुञ्जयस्तवन	१०	,,	१. कुशलहर्ष २. कुशलहर्ष ३. सहजसुन्दर	गा. ६६ गा. ६६ गा. २१		१६७०	,,	७ × ४।।
१४८३८	गजसुकुमालरास	७	,,	शुभवर्धनशिष्य	गा. ९८		१७मो	,,	७ × ४।।
१४८३९	अशनादिस्वाध्याय	२	,,	वीरविमल	गा. १८		१९मो	,,	५।।। × ४
१४८४०	षडारकस्तवन	८	,,	देवीदास	गा. ५४	१६७२	,,	,,	६ × ३।।
१४८४१	भगवतीसूत्र	१६८	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१५,६७५		१६मो	,,	१३।।। × ५।।
१४८४२	भगवतीसूत्र वृत्ति	२००	सं.	अभयदेवसूरि	१८,६१६	११२८	,,	,,	१३।। × ५।।
१४८४३	विशेषावश्यकमहाभाष्य वृत्ति सह[२]	३९६	प्रा.सं	वृ. मलधारी हेमचन्द्रसूरि	२८,०००		१५८५	,,	१३।। × ५।
१४८४४	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्रवृत्ति[३]	८७	सं.	अभयदेवसूरि	४,१३०		,,	मध्यम	१३ ।। × ५।
१४८४५	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिचूर्णि	३२	प्रा.		१,८६०		१५०२	उत्तम	१३।। × ५।
१४८४६	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिचूर्णिसूत्र	७६	,,		४,४५४		,,	,,	१३।। × ५।
१४८४७	स्थानाङ्गसूत्र	६१	,,		३,७७०			१६मो	१३।। × ५।
१४८४८	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र	२३	,,		१,३३९		१५७१	,,	१३।। × ५।
१४८४९	निरयावलिकासूत्र	२०	,,		१,१०९		१५७२	,,	१३।। × ५।।
१४८५०	समयसारनाटक टिप्पण सह	२०	सं.	दिगम्बर अमृतचन्द्रसूरि			१५८०	,,	१३। × ५
१४८५१	आचाराङ्गसूत्रचूर्णि	१२८	प्रा.		८,३००		,,	जीर्ण	१३ × ५।
१४८५२	उत्तराध्ययनसूत्रबृहद्वृत्ति-पाइयटीका[४]	३३१	सं.	शान्त्याचार्य	१८,०००		१५३८	,,	१३ × ५।
१४८५३	निशीथसूत्रचूर्णि[५]	४५१	प्रा	जिनदासगणि महत्तर	२८,०००		१५६३	उत्तम	१२।।। × ५
१४८५४	जीवाभिगमसूत्रवृत्ति[६]	२३८	सं	मलयगिरिसूरि	१४,०००		१५७२	,,	१३। × ५।
१४८५५	अनुयोगद्वारसूत्रचूर्णि	२७	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर			१५८५	मध्यम	१३।।। × ५।
१४८५६	ओघनिर्युक्ति सटीक	१०३	प्रा.सं.	मू. भद्रबाहुस्वामि टी. द्रोणाचार्य	८,२२५		१६मो	उत्तम	१३। × ५।।।

१. पत्र ३जु नथी. २. पत्र ३७८मु डबल छे. प्रथम पत्रमां चित्र छे. ३. प्रथम पत्रमां पांच आश्रव ने पांच संवरने सूचवतु सुन्दर चित्र लागे छे. ४. पत्र १०७-१०८ भेगा छे अने २१४मु डबल छे ५. पत्र १७३ थी १९१ सुधीना पत्रांको लेखकना प्रमादथी छुटी गया छे, पण सम्बन्ध तूटतो नथी. ६. प्रथम पत्रमां समवसरणनु चित्र छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४८५७	ओघनिर्युक्ति सटीक	१४६	प्रा.सं.	मू. भद्रबाहुस्वामि; टी. द्रोणाचार्य	८,३८५		१५७०	मध्यम	१३।। × ५।
१४८५८	ओघनिर्युक्ति मूल	२३	प्रा.	मू. भद्रबाहुस्वामि,	१,१६४		१६मो	,,	१३।। × ५।
१४८५९	पिण्डनिर्युक्ति	१३	,,	मू. भद्रबाहुस्वामि,	६९७		,,	,,	१३।। × ५।
१४८६०	पिण्डनिर्युक्ति सटीक	१२९	प्रा.सं.	मू. ,, टी. मलयगिरि	७,०००		,,	,,	१३।। × ५।
१४८६१	निरयावलिकासूत्रवृत्ति[१]	१२	सं.	श्रीचन्दसूरि	६५०	१२२८	१५७१	,,	१३।। × ५।
१४८६२	सूत्रकृताङ्गसूत्रनिर्युक्ति	७ (५४-६०)	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा.२०८		१६मो	अतिजीर्ण	१२।।। × ५
१४८६३	पञ्चकल्पभाष्य	४१	,,	सङ्घदास क्षमाश्रमण	गा. २,५७४ गं. ३,७३५		,,	उत्तम	१३ × ५
१४८६४	उत्तराध्ययनसूत्रनिर्युक्ति[२]	११	,,	भद्रबाहुस्वामि	७००		,,	जीर्णप्राय	१३ × ५।
१४८६५	अङ्गविज्जा[३]	१३३	,,		८,८००		१५०५	उत्तम	१३ × ५
१४८६६	आवश्यकसूत्रबृहद्वृत्ति-शिष्यहिता	३२५	सं.	हरिभद्रसूरि	२२,०००		१६६७	,,	१२।।। × ५।
१४८६७	योगशास्त्र स्वोपज्ञवृत्तिसह	२१४	,,	हेमचन्द्राचार्य	१२,०००		१५४९	,,	१३ × ५।।
१४८६८	पाक्षिकसूत्र वृत्तिसह	७७	प्रा.सं.	वृ. यशोदेवसूरि	३,१००	११८०	१५६३	मध्यम	१२।।। × ५
१४८६९	पाक्षिकसूत्र मूल	८	प्रा.		३००		१६मो	जीर्ण	१२।।। × ५
१४८७०	कुमारपालप्रबन्ध	६८	सं.	जिनमण्डनगणि		१४९१	१५४८	उत्तम	१२।।। × ५
१४८७१	पुष्पमालाप्रकरण सटीक	९८	प्रा. स.	मू. मलधारी हेमचन्द्र, टी. साधुसोमगणि	टी. १५१२		१५४९	मध्यम	१२।।। × ५
१४८७२	निशीथसूत्र	१६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	८१२		१६मो	उत्तम	१३ × ५।
१४८७३	निशीथसूत्र भाष्य	१५५	,,				१५३८	जीर्णप्राय	१२।।। × ५।
१४८७४	धर्मरत्नप्रकरण बृहद्वृत्ति सह[४]	१७८	प्रा. सं.	मू. शान्तिसूरि, वृ. देवेन्द्रसूरि			१६मो	मध्यम	१२।।। × ५
१४८७५	ओघनिर्युक्ति सटीक	१५४	,,	मू. भद्रबाहुस्वामि, टी. द्रोणाचार्य	८,३८५		१६३१	उत्तम	१२। × ५
१४८७६	१. शीलोपदेशमाला २. धर्मलक्ष्मीमहत्तराभास	७	प्रा. गु.	१. जयकीर्ति २. आनन्दमुनि	धर्म. ५३-५७		१५७३	मध्यम	१२ × ४।।
१४८७७	योगंशत अपूर्ण वैद्यकग्रन्थ	२४	सं				१७मो	जीर्णप्राय	१२।। × ५
१४८७८	कुमारसम्भवमहाकाव्य सावचूरी पञ्चपाठ सप्तमसर्गपर्यन्त	३९		महाकवि कालिदास			१६मो	जीर्ण	१२।।×४।।।
१४८७९	ओघनिर्युक्ति	२६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा.१,१६५		१६३०	उत्तम	१२। × ५

१. प्रथम पत्रमां सूत्रना भावने दर्शावतुं चित्र छे. २. प्रथम पत्रमां महावीरस्वामिनुं चित्र छे. ३. पत्र ६७मुं डबल छे. ४, प्रति उंदरे करडेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४८८०	बृहत्कल्पसूत्र निर्युक्ति-भाष्यटीका सह पञ्चपाठ प्रथमखण्ड	२२१	प्रा.सं.	मू. नि. भद्रबाहुस्वामि, भा. सङ्घदासगणि टी. मलयगिरि अने क्षेमकीर्ति			१६मो	उत्तम	१३ × ५
१४८८१	उपदेशमालाप्रकरण टिप्पणीसह पञ्चपाठ	१८	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४४		,,	,,	१३। × ४।।।
१४८८२	षडावश्यकसूत्र सस्तबक	११	प्रा.गु.				,,	,,	१३ × ४।।।
१४८८३	कल्पसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ[1]	५३	प्रा.सं.	मू. भद्रबाहुस्वामि			,,	जीर्ण	१३ × ५।
१४८८४	दशवैकालिकसूत्र	१९	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		१५६२	,,	१२।।। × ५
१४८८५	अनुयोगद्वारसूत्रचूर्णि	५३	,,	जिनदासगणि महत्तर	२२६८		१६मो	जीर्णप्राय	१२।।। × ५
१४८८६	आराधनापताका	३३	,,	वीरभद्राचार्य	९९३	१००८	,,	उत्तम	१२।।। × ५
१४८८७	दशवैकालिकसूत्रचूर्णि	२०२	,,		७,५५६		,,	जीर्ण	१२।।। × ५
१४८८८	औपपातिकोपाङ्गसूत्र	३१	,,		१,१६७		,,	मध्यम	१२।।। × ५
१४८८९	उत्तराध्ययनबृहद्वृत्ति-पाइअटीका	५०५	सं.	शान्तिसूरि	१८,०००		,,	उत्तम	१२।।। × ४।।।
१४८९०	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र	४८	प्रा.		१,८५४		१५५७	जीर्णप्राय	१२।। × ५
१४८९१	उत्तराध्ययनसूत्र लघुवृत्ति-सुखबोधिका-वृत्ति सह[2]	२४१	सं.	नेमिचन्द्रसूरि (देवेन्द्रगणि) उभय	१४,००० वृ.१२,०००	वृ.११२९	१६मो	,,	१२।। × ५
१४८९२	उत्तराध्ययनसूत्रचूर्णि	१५०	प्रा.	गोपालिकमहत्तरशिष्य	५,८५०		,,	मध्यम	१२।। × ४।।।
१४८९३	आवश्यकसूत्र टिप्पनक	८३	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	४,६४०		१६३०	उत्तम	१२।। × ४।।।
१४८९४	श्रावकप्रतिक्रमण चूर्णिसह[3]	९५	प्रा.	विजयसिंहसूरि	४५९०	११८३	१४९८	मध्यम	१२। × ५
१४८९५	कल्पसूत्र	६८	,,	भद्रबाहुस्वामि	१,२३६		१६मो	,,	१२। × ५
१४८९६	ज्ञानार्णव टिप्पणीसह	९५	सं.	दिगम्बर शुभचन्द्र			१७मो	जीर्णप्राय	१२ × ५
१४८९७	भवभावनाप्रकरण संक्षिप्तवृत्ति[4]	१०३	,,	मू. मलधारी हेमचन्द्रसूरि	४,७२१		१६मो	,,	१२ × ४।।।
१४८९८	विपाकसूत्रवृत्ति	२२	,,	अभयदेवसूरि	९००		,,	उत्तम	१२ × ४।।।
१४८९९	विक्रमचरित्र[5]	२००	,,	रामचन्द्रसूरि	६,०२०	१४९०	१५६२	,,	१२ × ४।।।
१४९००	विवेकविलास	५०	,,	जिनदत्तसूरि			१४५६	,,	१२ × ४।।
१४९०१	उपासकदशाङ्गसूत्र	२२	प्रा.		८१२		१६०७	,,	१२ × ४।।
१४९०२	बृहत्कल्पसूत्र निर्युक्ति-भाष्य-टीका सह द्वितीयखण्ड	१८९	प्रा.सं.	मू.नि. भद्रबाहुस्वामि भा. सङ्घदासगणि, टी. क्षेमकीर्ति	मू.१,४६०		१६मो	,,	१३ × ५
१४९०३	उपमितिभवप्रपञ्चकथा[6]	२२८	सं.	सिद्धर्षि	१६,०००	९६२	१५७३	,,	१३ × ४।।।
१४९०४	निरयावलिकासूत्रवृत्ति[7]	१७	,,	श्रीचन्द्रसूरि			१६मो	मध्यम	१२।।। × ५

१. सचित्र. चित्रो घसायेलां छतां सुन्दर छे. पत्र २६मुं डबल छे. २. पत्र १९०मुं नथी अने १९७मुं डबल छे. ३. पत्र ३२मुं नथी. ४. पत्र १२-१३ भेगां छे. ५. ११२मुं डबल अने छेल्लुं पत्र जीर्ण छे. ६. प्रति शुद्ध छे. ७. पत्र ६ठ्ठुं तथा ९मुं डबल छे.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४९०५	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र सटीक अर्थदीपिका वृत्ति[१]	१२३	सं.	रत्नशेखरसूरि	६,६४४	१४९६	१५४९	उत्तम	१२।।। × ५
१४९०६	पञ्चाङ्गीवृत्ति[२]	१०७	,,	अभयदेवसूरि	६,९३०		१५३८	जीर्णप्राय	१३ × ५।
	१. उपासकदशाङ्गसूत्रवृत्ति	१-१५							
	२. अन्तकृद्दशाङ्गसूत्रवृत्ति	१५-१९							
	३. अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्रवृत्ति	१९-२१							
	४. प्रश्नव्याकरणसूत्रवृत्ति	२१-९२							
	५. विपाकसूत्रवृत्ति	९२-१०७							
१४९०७	यतिजीतकल्पसूत्र सटीक	१११	,,	मू. सोमप्रभसूरि टी. साधुरत्नसूरी			१५३८	जीर्णप्राय	१३ × ५।
१४९०८	उत्तराध्ययनसूत्र	३३	प्रा.				१६मो	अतिजीर्ण	१२।।। × ५
१४९०९	निशीथसूत्र	१४	,,	भद्रबाहुस्वामि	८१५		,,	उत्तम	१२।।। × ४।।
१४९१०	जीतकल्पचूर्णि	२१	,,				१५३८	जीर्णप्राय	१२।।। × ५
१४९११	व्यवहारसूत्र	११	,,	भद्रबाहुस्वामि	६१०		१६मो	उत्तम	१२।।। × ५
१४९१२	उत्तराध्ययनसूत्रनिर्युक्ति	१९	,,	भद्रबाहुस्वामि	७०८		,,	मध्यम	१२।।। × ५
१४९१३	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र[३]	१०५	प्रा.		४,४५४		१५५७	जीर्णप्राय	१२ ।।। × ५
१४९१४	नवतत्त्वप्रकरणावचूरि	११	सं.				१६मो	उत्तम	१२।।। × ५
१४९१५	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र सटीक	२१५	प्रा.सं.	टी. मलयगिरि	९,५००		१५६४	मध्यम	१३ × ५
१४९१६	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिचूर्णि	४५	प्रा.		१,८६०		१६मो	जीर्णप्राय	१२।।। × ५
१४९१७	उपदेशरत्नाकर स्वोपज्ञटीका सह[४]	१४५	प्रा.सं.	मुनिसुन्दरसूरि	७,६७५		१५४४	उत्तम	१२।।। × ५
१४९१८	प्रज्ञापनासूत्रवृत्ति[५]	२०७	सं.	मलयगिरिसूरि	१६०००		१६मो	,,	१२।।। × ५
१४९१९	दशवैकालिकसूत्रनिर्युक्ति	१४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा. ४४५, ग्रं ५५६		,,	मध्यम	१२।। × ४।।।
१४९२०	पञ्चकल्पभाष्य	४९	,,	सङ्घदास क्षमाश्रमण	गा.२,५७४, ग्रं.३,७३५		१५३८	,,	१२।।। × ५
१४९२१	पञ्चकल्पचूर्णि	६४	,,		३,१२५		,,	जीर्ण	१२।।। × ५।
१४९२२	पञ्चकल्पभाष्य	६५	,,	सङ्घदास क्षमाश्रमण	३,७३५		१५४९	जीर्णप्राय	१२।।। × ५
१४९२३	गुरुतत्त्वसिद्धि	९	प्रा.सं.				१६मो	उत्तम	१२।।। × ५।
१४९२४	सम्यक्त्वसप्ततिका वृत्ति सह[६]	१४९	,,	सङ्घतिलकसूरि	७,७११	१४३२	१५४९	जीर्ण	१२।।। × ५
१४९२५	श्रावकविधिप्रकरण स्वोपज्ञवृत्ति सह[७]	१३७	,,	रत्नशेखरसूरि		१५०६	१६मो	उत्तम	१२।।। × ५
१४९२६	दशवैकालिक सूत्रवृत्ति	१८४	सं.	तिलकाचार्य	७,०००	१३०४	,,	जीर्णप्राय	१२।।। × ५

१. पत्र ९४मुं नथी. २. प्रथम पत्रमा समवसरणनुं चित्र छे. अने १२मुं तथा ४२मुं डबल छे. ३. प्रति शुद्ध छे. प्रथम पत्रमा समवसरणनु अने बाजामा चतुर्विध श्रमणसंघनुं चित्र छे. ४. पत्र ३१-३२ भेगा अने ११२मुं डबल छे. ५. पत्र ८२-८३ भेगा छे. ६. प्रति शुद्ध छे. ७. पत्र ७४मु डबल अने पत्र ९१-९२ भेगा छे.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४९२७	दशवैकालिक चूर्णि[१]	१९२	प्रा.		७,९७०		१६मो	उत्तम	१२।। × ५
१४९२८	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति[२]	१९८	स.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१५३८	जीर्ण	१२।।। × ५
१४९२९	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति[३]	२७६	,,	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१५५९	जीर्ण	१२।।। × ५
१४९३०	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति मूल	४३	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,५५४		१५३८	,,	१२।।। × ५
१४९३१	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति निर्युक्ति	१२	,,	भद्रबाहुस्वामि	गा.३६७, श्लो० ४५०		१६मो	,,	१२।।। × ५
१४९३२	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति चूर्णि[४]	१३१	,,		८,३००		१५३८	अतिर्जीर्ण	१२।।। × ५।
१४९३३	श्राद्धदिनकृत्य स्वोपज्ञटीकासहित[५]	२४९	प्रा.सं.	देवेन्द्रसूरि	१२,९२१		१५४९	उत्तम	१२।।। × ५।
१४९३४	आचाराङ्गसूत्र	३५	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,६४४		[illegible]मो	मध्यम	११।।। × ५।
१४९३५	१. सारावलीप्रकीर्णक }	१-४	,,		गा.११६		,,	उत्तम	११। × ४।।।
	२. आचाराङ्गसूत्रचूलिका }	४-६	,,		गा. ८७				
१४९३६	सूत्रकृताङ्गसूत्रप्रथमश्रुतस्कन्धवृत्ति[६]	१२३	सं.	शीलाङ्काचार्य	९,०००		,,	जीर्णप्राय	१२।।। × ५।
१४९३७	सूत्रकृताङ्गसूत्रद्वितीयश्रुतस्कन्धवृत्ति	७३	,,	शीलाङ्काचार्य	४,८५०		१५३९	जीर्ण	१२।।। × ५।
४९३८	सूत्रकृताङ्गसूत्रचूर्णि[७]	१५५	प्रा.				१५३८	,,	१२।।। × ५।
१४९३९	सूत्रकृताङ्गसूत्रनिर्युक्ति	५(३१-३५)		भद्रबाहुस्वामि	गा. २०८		,,	,,	१२।।। × ५।
१४९४०	सूत्रकृताङ्गसूत्रनिर्युक्ति	८	,,	भद्रबाहुस्वामि	गा.२०८		१७मो	उत्तम	१२।।। × ५
१४९४१	भगवतीसूत्र[८]	१६६	,,	सुधर्मास्वामि	१५,६७५		१५३२	,,	१२।।। × ५
१४९४२	भगवतीसूत्र	२९३	,,		१५,७५२		१६मो	,,	१२।। × ४।।।
१४९४३	भगवतीसूत्रवृत्ति	३३७	सं.	अभयदेवसूरि	१८,६१६	११२८	१५२८	,,	१२ × ४।।
१४९४४	भगवतीसूत्र त्रुटक[९]	२७१	प्रा.	सुधर्मास्वामि			१६मो	जीर्णप्राय	१२ × ४।।
१४९४५	महीपालचरित्र	४७	,,	वीरदेवगणि	गा.१,८०७		,,	उत्तम	१३ × ४
१४९४६	प्रबोधचिन्तामणि	३५	सं.	जयशेखरसूरि	१,९७६		१७मो	,,	१३ × ४।।।
१४९४७	भवभावनाप्रकरण संक्षिप्तवृत्ति सह[१०]	५२	,,	मू. मलधारी हेमचन्द्रसूरि	४,७२१		१७२२	,,	१२।।। × ४।।
१४९४८	सम्यक्त्वकौमुदीचतुष्पदी	५३	गु.	कवि जोधराज गोदीका	कडी१,१७८	१७२८	१७२९	जीर्ण	१२।। × ४।।
१४९४९	राघवपाण्डवीयमहाकाव्यद्विसन्धानमहाकाव्य सटीक[११]	१५५	सं.	मू. धनञ्जय, टी. दिगम्बर नेमिचन्द्र			१६मो	मध्यम	१२।।। × ४।।।
१४९५०	जम्बूचरित्र पद्य	१३	,,		७०९		१५मो	उत्तम	१२।। × ४।।
१४९५१	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक-सुखबोधिका[१२]	२३०	,,	नेमिचन्द्रसूरि (देवेन्द्रगणि)	१२,५००	११२९	१५१६	मध्यम	१२।। × ४

१. पत्र १७मुं तथा ४६मुं डबल छे. २-३. प्रथम पत्रमा समवसरणनुं चित्र छे. ४. पत्र ४९मुं डबल तथा ८७मुं त्रण छे. ५. पत्र १६९मुं, २१६मुं, २२६मुं अने २३८मुं डबल छे. ६ पत्र ८३मुं अने १२२मुं डबल छे. ७. प्रति चोंटेली छे. प्रथम पत्रमां समवसरणनुं चित्र छे. ८. पत्र ३ थी ५ नथी. ९. पत्र १३३मुं नथी. बाकी त्रूटक छे. १०. प्रति शुद्ध छे. पत्र १७-१८ भेगां छे. ११ प्रति शुद्ध छे. १२. प्रति शुद्ध छे

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४९५२	राघवपाण्डवीयमहाकाव्यद्विसन्धानमहाकाव्य टिप्पणी सह[1]	५९	सं.	धनञ्जय कवि			१५मो	जीर्ण	१२।। × ३।
१४९५३	१. दशवैकालिकसूत्र २. पाक्षिकसूत्र ३. उपदेशमालाप्रकरण ४. शीलोपदेशमालाप्रकरण[2]	२६	प्रा.				,,	उत्तम	१२ × ४।।
१४९५४	चतुर्विंशतिजिनप्रबन्ध	२-६१	सं.	राजशेखरसूरि	३,८००	१४०५	,,	,,	११ × ४
१४९५५	कल्पसूत्र[3]	४१	प्रा	भद्रबाहुस्वामि	१२१६		१४१९	मध्यम	१२ × ४।
१४९५६	उत्तराध्ययनसूत्र[4]	८३	,,		२,०००		१५मो	जीर्ण	११।। × ३।।
१४९५७	मुग्धबोधव्याकरण	६३	सं.	बोपदेव			१४६७	अतिजीर्ण	११।। × ३
१४९५८	भरतनटादिकथाओ-औत्पत्तिक्यादि-बुद्धिविषये[5]	२८	,,				१५मो	उत्तम	११।।। × २।।।
१४९५९	उपदेशमालाप्रकरण बालावबोध सह	४४	प्रा.गु.	मू. धर्मदासगणि			,,	,,	११ × ४
१४९६०	शिशुपालवधकाव्य	६१	सं.	माघ कवि	२,४००		१४७५	,,	१०।। × ४।
१४९६१	दशवैकालिकसूत्र[6]	२९	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		१५मो	,,	९।।। × ३
१४९६२	१. दशवैकालिकसूत्र	१-२०	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		,,	,,	१० × ३।
	२. पाक्षिकसूत्र	२०-५३	,,		३००				
१४९६३	सङ्ग्रहणीप्रकरण वृत्ति सह	७३	पा.सं.	मू. श्रीचन्द्रसूरि, वृ. देवभद्रसूरि			१६मो	,,	१० × ३।
१४९६४	१. दशवैकालिकसूत्र[7]		प्रा.	१. शय्यम्भवसूरि	गा. ७००				
	२. पाक्षिकसूत्र		,,		गा. ३००				
	३. जम्बूद्वीपक्षेत्रसमासप्रकरण	६३	,,		गा. १०८				
	४. बृहत्सङ्ग्रहणीप्रकरण		,,	४. जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण	गा. ५२२		१५मो	उत्तम	१०। × ३।।।
	५. वीतरागस्तोत्र		सं.	५. हेमचन्द्रसूरि					
	६. उपदेशमालाप्रकरण		प्रा.	६. धर्मदासगणि	गा. ५४३				
१४९६५	स्थम्भनपार्श्वनाथप्रबन्ध[8]	९३	सं.	मेरुतुङ्गाचार्य		१४०१	१४२४	,,	१० × ३।।
१४९६६	सिद्धान्तरहस्यवृत्ति	४	,,	रघुनाथ			१६ मो	जीर्ण	८।।। × ३।
१४९६७	कल्याणमन्दिरस्तोत्र	४	,,	सिद्धसेन दिवाकर	का. ४४		१७मो	उत्तम	७।।। × ३।।

१. पत्र ३३मुं अने ३५मुं नथी. २. पत्र ३जुं नथी. ३. पत्र २९मुं अने ३०मुं नथी. ४. पत्र ६ट्ठुं डबल छे. अने ७मुं नथी, ५. ७मुं, ८मुं, ११मुं अने १२मुं नथी. ६. अन्तिम पत्र फाटेलुं छे. ७. प्रति शुद्ध छे. ८. पत्र २२मुं, २४मुं, २५मुं २८मुं २९मुं, ३२मुं ३३मुं, ४३मुं ५६मुं, ८२मुं, ८४मुं नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४९६८	पिण्डविशुद्धिप्रकरण सावचूरि[1]	१८	प्रा.सं.	मू. जिनवल्लभगणि			१५मो	उत्तम	८। × ३।।।
१४९६९	भगवतीसूत्र खन्दक आलापक[2]	१८	प्रा.				१६मो	,,	८।। × ३।।।
१४९७०	शीलोपदेशमालाप्रकरण	९	,,	जयकीर्तिसूरि	११५		१५मो	,,	७। × ३।।
१४९७१	१. प्रश्नोत्तररत्नमालाप्रकरण वृत्ति सह २ नवग्रहस्तवन ३ आदिजिनस्तवन	१७	सं. ,, अप.	विमलाचार्य जिनप्रभसूरि अभयदेवसूरि			,,	,,	७।।। × ३।।।
१४९७२	नवरत्नप्रकाश[3]	४-७	सं.	विट्ठलेश्वर			१८ मो	,,	८ × ३।।
१४९७३	विवेकधैर्याश्रय[4]	८	,,	रघुनाथ			१६मो	,,	८ × ३।।
१४९७४	दशवैकालिकसूत्र.	३७	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		१५मो	,,	६।। × ३।।
१४९७५	दशवैकालिकसूत्र. अपूर्ण[5]	३२	,,				,,	,,	७ × ३
१४९७६	१. सूत्रकृताङ्गसूत्र[6] २. सूत्रकृताङ्गसूत्र निर्युक्ति	६-६२	,,	१ सुधर्मास्वामि २. भद्रबाहुस्वामि	नि.गा.१०८		१५९७	जीर्णप्राय	१२।। × ५
१४९७७	चाणाक्यनीतिशास्त्र	४	सं.	चाणाक्य			१६मो	उत्तम	१२ × ५
१४९७८	सुरसुन्दरीचरित्ररास	१३	गु.	नयसुन्दर	गा.५०८	१६४४	१७मो	,,	१२ × ५
१४९७९	भ्वादिधातुओ	११	सं.				१६मो	,,	१२।।×४।।।
१४९८०	प्रवचनसारोद्धारप्रकरणवृत्ति	२४४	,,	सिद्धसेनसूरि	१८,३००	१२४२	१४८९	,,	१२। × ४।।।
१४९८१	धनञ्जयनाममाला[7]	५	,,	धनञ्जय	२००		१६मो	मध्यम	१२ × ४।।
१४९८२	सुभाषित[8]	१६	प्रा.सं.गु				,,	उत्तम	१२। × ४।।
१४९८३	सुभाषित	१०	,,				,,	,,	१२। × ४।।
१४९८४	१. सङ्ग्रहणीप्रकरण २. पिण्डविशुद्धिप्रकरण ३. शीलोपदेशमालाप्रकरण ४. उपदेशकन्दलीप्रकरण ५. विवेकमञ्जरीप्रकरण[9]	६५-८१	प्रा.	१. मलधारी श्रीचन्द्रसूरि २. जिनवल्लभगणि ३. जयकीर्ति ४. आसड ५. आसड	गा. २७५ गा. १०४ गा. ११६ गा. १२५ गा. १४४	 १२४८	१५०४	,,	१२ × ४।।
१४९८५	अव्यय सावचूरि पञ्चपाठ	१	सं.		१४०		१५०४	,,	१२ × ४।।
१४९८६	ध्यानशतक	४	प्रा.	जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण	गा. १०६		१६मो	जीर्ण	१२ × ४।।
१४९८७	सङ्ग्रहणीप्रकरण वृत्ति सह अपूर्ण	२	प्रा. सं.	मू. श्रीचन्द्रसूरि			,,	उत्तम	१२ × ४।।

१. पत्र २जुं नथी अने पत्र ७मुं डबल छे. २. पत्र १४मुं नथी. ३. पत्र १ थी ३ नथी ४. पत्र २जुं नथी. ५. पत्र २४ थी २६ नथी. ६. संपूर्ण. पत्र २२मुं २३मुं, ४०मुं नथी अने पत्र ३९मुं डबल छे. प्रति जीवडाए खाधेली छे. ७. पत्र ४मुं नथी. ८. पत्र १४मुं डबल छे. ९. पत्र ७७मुं नथी.

क्रमाक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४९८८	शब्दसञ्चय	•६	सं.				१६मो	उत्तम	१२ × ४।
१४९८९	षष्टिसंवत्सरी	५	गु.				,,	,,	१२ × ४।।
१४९९०	आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति	६०	प्रा	भद्रबाहुस्वामि	३,१००		,,	,,	१२ × ४।।
१४९९१	१. वीतरागस्तोत्र २. सङ्ग्रहणीप्रकरण ३. क्षेत्रसमासप्रकरण[1]	१७	सं. प्रा. ,,	१. हेमचन्द्राचार्य २. श्रीचन्द्रसूरि			,,	,,	१२ × ४
१४९९२	१. दर्शनसप्ततिका[2] २. दृष्टान्तमाला अपूर्ण	८	प्रा.सं	 २. अरिमल्ल			,,	,,	१२ × ५
१४९९३	भुवनदीपक	५	सं.	पद्मप्रभसूरि	१६७		,,	,,	११।।। × ४।।।
१४९९४	अंगुलसप्ततिका स्वोपज्ञ अवचूरिसहित पञ्चपाठ	२	प्रा.सं.	मुनिचन्द्रसूरि	मू.गा.७०		,,	,,	१२ × ४।।
१४९९५	औक्तिक-कारक-समास-तद्धितादिनुं स्वरूप	६	सं.गु.				१४८५	,,	११।।। × ४।।।
१४९९६	१. परिभाषासूत्र २. लिङ्गानुशासन कातन्त्रव्याकरणगत	३	सं.	 २. दुर्गसिंह			१६मो	,,	११।।। × ४।।
१४९९७	त्रैलोक्यदीपिकाख्य-एकाशीतिक-यन्त्रटीका[3]	३	,,		१२७		,,	,,	१२ × ४।।।
१४९९८	धन्यचरित्ररास	१०	प्रा.	मतिशेखर	गा. १२९		१५१८	जीर्ण	१२ × ४।।
१४९९९	कातन्त्रव्याकरणचतुष्कव्यवहारवृत्ति तद्धितप्रकरणपर्यन्त	९३	सं.	धनप्रभसूरि			१६मो	उत्तम	११।।। × ४।।।
१५०००	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व महावीरचरित्र[4]	१६०	,,	हेमचन्द्रसूरि	५,०००		१५०२	जीर्णप्राय	११।।। × ४।।।
१५००१	आवश्यकसूत्रदीपिका	१६१	प्रा.सं.	माणिक्यशेखरसूरि			१६५८	उत्तम	११।। × ४।।
१५००२	पिण्डनिर्युक्ति सटीक[5]	९३	,,	मू. भद्रबाहुस्वामि, टी. मलयगिरि	७,०००		१५२८	,,	१२ × ४।
१५००३	भक्तामरस्तोत्र सटीक	२२	सं.	टी. गुणाकरसूरि	१,५७२	वृ.१४२६	१६मो	,,	११।।। × ४।।
१५००४	रघुवंशमहाकाव्यसावचूरि पञ्चपाठ	१०१	,,	मू. महाकवि कालिदास			,,	,,	११।। × ४।।
१५००५	सारस्वतव्याकरण	३८	सं.	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			१५५९	उत्तम	११।। × ४।।
१५००६	भवभावनाप्रकरण	११	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्राचार्य	गा. ५३१ श्लो. ६६३		१६मो	,,	१२ × ४।।
१५००७	गुणस्थानक्रमारोह बालावबोध वार्तिक सह	३४	सं.गु.	मू. रत्नशेखरसूरि, वा. श्रीसार यति	१,४०० मू. १६९२		१७१२	,,	११।।। × ५

१. पत्र १३मुं नथी. २. पत्र छट्ठुं नथी. ३. ज्योतिष ग्रन्थ. ४. पत्र ६०मुं अने ७८मुं डबल छे तथा पत्र १४४मुं नथी. ५. पत्र ५६मुं डबल छे

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५००८	भयहरस्तव सावचूरि पञ्चपाठ	१	प्रा.सं.				१५००	जीर्ण	११॥। × ४॥
१५००९	धातुदीपिका अपूर्ण[1]	५०	सं.	धर्मरत्नसूरि			१५मो	,,	१२ × ४
१५०१०	षडावश्यकसूत्र सावचूरि	७	प्रा.सं.				१६मो	मध्यम	१२ × ४।
१५०११	१. नमिऊणस्तव		प्रा.				,,	उत्तम	११॥। × ४।
	२. शान्तिस्तव	१	सं.	२. मानदेवसूरि					
१५०१२	पञ्चसङ्ग्रहप्रकरण सटीक	२००	,,	मू. चन्द्रर्षि, टी. मलयगिरि	१८,५००		१७०५	,,	११। × ४॥।
१५०१३	पक्षिशकुनविचार	३	,,				१६मो	,,	११। × ४॥।
१५०१४	पुरुषार्थसिद्ध्युपाय	१४	,,	अमृतचन्द्रसूरि	२२८		१७मो	,,	११। × ५
१५०१५	वर्धमानविद्याकल्प	१	,,		६४		,,	,,	११। × ४।
१५०१६	बोलविचार	४०	गु				१७३०	,,	११। × ५
१५०१७	सुपार्श्वनाथचरित्र अपूर्ण[2]	४	प्रा.	लक्ष्मणगणि			२०मो	,,	११। × ५
१५०१८	वसत्यादिदानविषयक कथासङ्ग्रह	४८	सं.				१६मो	,,	११॥ × ५
१५०१९	भक्तामरस्तोत्रवृत्ति	१८	,,	गुणाकरसूरि	१,५७२	१४२६	,,	,,	११। × ५
१५०२०	पाक्षिकसूत्र तथा अतिचार	१३	प्रा.				१८६८	,,	११ × ५
१५०२१	कल्पसूत्र	१३३	,,	भद्रबाहुस्वामि	१२१६		१६७१	,,	११। × ५
१५०२२	नवतत्त्वप्रकरण सटीक	८	प्रा.सं.	टी. साधुरत्नसूरि			१६मो	मध्यम	११॥ × ४॥
१५०२३	पाक्षिकसूत्रवृत्ति	४१	सं.	यशोदेवसूरि	३,१००	११८०	१५२७	उत्तम	११॥ × ४॥।
१५०२४	जल्पकल्पलता	१६	,,	रत्नमण्डनसूरि			१६मो	अतिजीर्ण	११॥ × ४॥।
१५०२५	हैमविभ्रमवृत्ति	३	,,	जिनप्रभसूरि	१९६		,,	उत्तम	११। × ४॥
१५०२६	आराधनापताका	१८	प्रा.		गा ९३१		१४८५	,,	११॥ × ४॥
१५०२७	भयहरस्तोत्र सटीक-नमिऊण	४	प्रा.सं.	मू. मानतुङ्गसूरि, टी. जिनप्रभसूरि	३००		१६मो	मध्यम	११। × ४॥
१५०२८	पञ्चाशकप्रकरण	२३	प्रा.	हरिभद्रसूरि			,,	जीर्ण	११। × ४॥
१५०२९	उपासकदशाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाट	२९	प्रा.सं.	टी. अभयदेवसूरि	मू. ८१२		१७मो	उत्तम	१०। × ४॥।
१५०३०	१. उपासकदशाङ्गसूत्रवृत्ति	१-१६							
	२. अन्तकृद्दशाङ्गसूत्रवृत्ति	१६-२२	सं. वृ.	टी. अभयदेवसूरि	१,३००		,,	,,	१०॥ × ४॥
	३. अनुत्तरोपपातिकसूत्रवृत्ति	२२-२३							
१५०३१	पुष्पमालाप्रकरण स्वोपज्ञटीकासहित[3]	२७४	प्रा.सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	१३,८६८		१६मो	,,	१२ × ४॥।

१. पत्र ४६मु अने ४८मु नथी २. आदिना ४ पत्र ३. प्रति शुद्ध छे पत्र १०९मु, १९४मु अने २७१मु डबल तेमज पत्र ५७-५८ भेगा छे

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५०३२	शत्रुञ्जयमाहात्म्य[१]	१६७	सं.	धनेश्वरसूरि	९,०२४		१५मो	जीर्ण	११।।। × ५
१५०३३	उत्तराध्ययनसूत्र सावचूरि	१४१	प्रा.सं.				१५६३	उत्तम	१२ × ५
१५०३४	अजितशान्तिस्तव प्रा.सं. अवचूरिसह	६	,,	मू. नन्दिषेण			ले.१६मो	,,	१२ × ४।।
१५०३५	शोभनस्तुति सावचूरि पञ्चपाठ	५	सं.	मू. शोभनमुनि			१४९८	मध्यम	१२ × ४।।
१५०३६	विपाकसूत्र	३०	प्रा.		१२४५		ले.१६मो	उत्तम	११।।। × ४।।।
१५०३७	औपपातिकदशाङ्गसूत्र	२२	,,				,,	मध्यम	१२ × ४।।
१५०३८	जीतकल्पसूत्र सटीक	३४	प्रा.सं.	मू. जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण, टी. तिलकाचार्य	१,५००		,,	,,	१२ × ४।।
१५०३९	जीतकल्पसूत्र मूल	४	प्रा.	जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण	गा. १०४ ग्र. १३०		,,	,,	१२ × ४।।
१५०४०	शोभनस्तुति अवचूरि	१६	सं.				१५०६	,,	११।।। × ४।।।
१५०४१	श्रीपालचरित्र	१२	,,	सत्यसागरगणि		१५१८	ले.१६मो	उत्तम	१२ × ४।।
१५०४२	सम्यक्त्वकौमुदी गद्य[२]	३१	,,				१५५४	,,	१२ × ४।।
१५०४३	१. उपदेशमाला	१–१६	प्रा.	१. धर्मदासगणि					
	२. शीलोपदेशमाला	१६–१९	,,	२. जयकीर्ति			ले.१६मो	,,	१२ × ४।।।
	३. योगशास्त्र प्रकाश १–४	१९–३०	,,	३. हेमचन्द्राचार्य					
१५०४४	सीमन्धरस्वामि आदि वीस विहरमानजिनस्तोत्र	५	गु.	लब्धिसागरसूरि	३२५		१६मो	,,	१२ × ४।।
१५०४५	१. पुष्पमालाप्रकरण	१२	प्रा.	१. मलधारी हेमचन्द्रसूरि	गा. ५०५		,,	,,	१२ × ४।।
	२. शीलोपदेशमालाप्रकरण			२. जयकीर्ति	गा. १०५				
१५०४६	विद्यालय-विज्ञालय टिप्पणीसहित	१६	,,	जयवल्लभ	गा.७००		,,	,,	१२ × ४।।।
१५०४७	पञ्चसङ्ग्रहप्रकरण	६९	,,	चन्द्रर्षि महत्तर			,,	,,	१२ × ५
१५०४८	कल्पसूत्र सावचूरि पञ्चपाट[३]	४७	प्रा.सं.	मू. भद्रबाहुस्वामि			,,	,,	१२ × ४।।
१५०४९	आवश्यकसूत्र अवचूरि	६५	सं.		७,८८५		,,	मध्यम	१२ × ४।।
१५०५०	१. सीताचरित्र	१–१६	,,				,,	उत्तम	११।।। × ४।।
	२. पृथ्वीचन्द्रचरित्र[४]	१६–६३	प्रा.						
१५०५१	ऋषभपञ्चाशिका सं.प्रा. अवचूरिसह	७	सं.प्रा.	मू. धनपाल, अव. धर्मशेखरोपाध्याय	३३६		,,	मध्यम	११।।। × ४।।
१५०५२	श्रावकानुष्ठानविधि-वन्दारुवृत्ति	४१	सं.	देवेन्द्रसूरि	२,६२०		,,	,,	१२ × ४।।
१५०५३.	विवेकविलास	३३	,,	जिनदत्तसूरि			१६७०	,,	१२ × ४।।

१. प्रति शुद्ध छे. २. पत्र २जुं, ३जुं अने ५ थी ९ नथी. ३. प्रथम तथा ४६मा पत्रमां चित्र छे. ४. प्रति शुद्ध छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५०५४.	दशवैकालिकसूत्र	१७	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		१७मो	जीर्णप्राय	१२ × ४।।।
१५०५५.	वीतरागस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	३	सं.	मू. हेमचन्द्रसूरि			१४९३	मध्यम	१२ × ४।।
१५०५६.	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणीसह अपूर्ण	६२	,,	महाकवि कालिदास			१७मो	,,	११।।। × ४।।
१५०५७.	अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति	१४५	,,	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	५,७००		१५७८	जीर्णप्राय	११।।। × ४।।
१५०५८.	गौतमपृच्छा सटीक	९५	,,	रुद्रपल्लीगच्छीय श्रीतिलकोपाध्याय			१५५०	मध्यम	११।। × ४।।।
१५०५९.	कालिकाचार्यकथा सचित्र	११	प्रा.	भावदेवसूरि	गा. १०१		१६मो	उत्तम	११।।। × ४।।
१५०६०.	श्रावकानुष्ठानविधि-वन्दारुवृत्ति	३६	सं.	देवेन्द्रसूरि	२,७२८		१५मो	जीर्ण	११।। × ५
१५०६१.	शान्तिनाथचरित्र[1]	१७३	,,	अजितप्रभसूरि	४,९२८		१४९३	उत्तम	११।। द्य४।।
१५०६२.	प्रवचनसार भाषाटीकासह[2]	३०१	प्रा.सं.हि.	हेमराज दिगम्बर			१७२१	जीर्ण	११।। × ४।।
१५०६३.	योगशास्त्र प्रकाश १-४	११	सं.	हेमचन्द्रसूरि	४६४		१६मो	उत्तम	११।। × ४।।
१५०६४.	उत्तराध्ययनसूत्र द्वितीयपरिषहअध्ययनकथा	१५	गु.				१७मो	मध्यम	११ × ४।।
१५०६५.	उत्तराध्ययनसूत्र अवचूरि	५१	सं.		६,११६		१४८२	जीर्णप्राय	११। × ४।।
१५०६६.	सम्यक्त्वकौमुदी गद्य	३८	,,				१४९३	उत्तम	११। × ४।।
१५०६७.	कर्पूरप्रकर	५	,,	हरि साधु	का. १८३, ग्रं. ३५०		१६मो	,,	११। × ४।।
१५०६८.	हेतुगर्भप्रतिक्रमणविधि	११	,,	जयचन्द्रगणि			,,	मध्यम	११ × ४।।
१५०६९.	सुपार्श्वनाथचरित्र सचित्र[3]	४४३	प्रा.	लक्ष्मणगणि	गा. ८,६६८	११९९	१४८०	उत्तम	११।। × ४।।
१५०७०.	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति	२३२	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१६मो	मध्यम	११।। × ४।।
१५०७१.	धर्मपरीक्षा	१३६	हिन्दी	मनोहरदास संडेल दिगम्बर		१७००	१८मो	उत्तम	११ × ५।
१५०७२.	सम्यक्त्वसप्ततिका बालावबोधसह त्रिपाठ	१५१	प्रा.गु.	रत्नचन्द्रगणि	५,८५२	१६७६	१८३४	,,	११ × ४।
१५०७३.	पट्टावली तपगच्छीय	१७	गु.				,,	,,	११ × ५
१५०७४.	गौतमपृच्छा बालावबोध	४९	,,	बा. सुधाभूषण			,,	,,	११ × ५।
१५०७५.	उपदेशरत्नाकर[4]	४४५	,,	मुनिसुन्दरसूरि	६,७५७		१७४७	,,	१०।। × ५
१५०७६.	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	४५	प्रा.गु.	मू. शय्यम्भवसूरि	मू. ७००		१६७२	मध्यम	११ × ४।।।
१५०७७.	वर्धमानदेशना	११८	प्रा.	शुभवर्धन		१५५२	१७७८	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।।
१५०७८.	कल्पसूत्र सुबोधिकाटीकासहित त्रिपाठ	२१०	प्रा.सं.टी.	विनयविजयगणि			१८१६	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५०७९.	आचाराङ्गसूत्र दीपिका	१५१	सं.	जिनहंससूरि	९,२२५		१६मो	मध्यम	११। × ५
१५०८०.	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति[5]	२१८	,,	शीलाङ्काचार्य	१२,३००		१६०६	,,	११।। × ४।।।

१. पत्र ५०मुं नथी अने ५२-५३ भेगां छे. २. पत्र २४८मुं नथी. ३. अतिसुन्दर चित्रो छे. ४. प्रति चोंटेली छे. ५. पत्र ६०मुं डबल छे.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५०८१.	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति	२०७	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१६मो	उत्तम	११ × ४।।।
१५०८२.	भगवतीसूत्र[1]	७१८	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१६,०००		१६२३	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५०८३.	समवायाङ्गसूत्र	९५	,,	सुधर्मास्वामि	१,६६७		१६२७	,,	१०।। × ४।।
१५०८४.	१. सूत्रकृताङ्गसूत्र }	५३	,,	सुधर्मास्वामि	१७५०		१७मो	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
	२. सूत्रकृताङ्गसूत्र निर्युक्ति }	४८-५८	,,	भद्रबाहुस्वामि	गा. २०८		१६मो	उत्तम	११ × ४।।
१५०८५.	समवायाङ्गसूत्र[2]	५३	,,	सुधर्मास्वामि	गा २०८				
१५०८६.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र[3]	११६	,,	सुधर्मास्वामि	६,०००		१६४०	उत्तम	१०।। × ४।।
१५०८७.	भगवतीसूत्रवृत्ति[4]	४०७	सं.	अभयदेवसूरि	१८,६१६		१७मो	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५०८८.	कल्पसूत्र सस्तबक[5]	१७१	प्रा.गु.		मू.१,२१६		१८१६	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५०८९.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१३९	प्रा.	सुधर्मास्वामि	५,४६४		१५५४	मध्यम	११ × ४।।
१५०९०.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१३८	,,	सुधर्मास्वामि	५,७००		१६९२	जीर्ण	१०।। × ४।।
१५०९१.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१२५	,,	सुधर्मास्वामि			१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५०९२.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१३५	,,	सुधर्मास्वामि	५,४६४		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५०९३.	उपासकदशाङ्गसूत्र वृत्ति	२१	सं.	अभयदेवसूरि	८८०		,,	,,	१०।। × ४।।
१५०९४.	उपासकदशाङ्गसूत्र वृत्ति	३०	,,	अभयदेवसूरि	,,		१६३१	,,	१०।। × ४।।
१५०९५.	उपासकदशाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ[6]	२६	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि, टी. अभयदेवसूरि	मू. ८१२		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५०९६.	उपासकदशाङ्गसूत्र सटीक ,,	२९	,,	मू. सुधर्मास्वामि, टी०,,	मू. ८१२, उभय १,६९२				
१५०९७.	उपासकदशाङ्गसूत्र सस्तबक	५४	प्रा.गु.	स्त. उपा. हर्षवल्लभ	३,०७१	१६९३	१७८५	,,	१०।। × ४।।
१५०९८.	उपासकदशाङ्गसूत्र मूल[7]	२२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	८१२		१६१०	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
१५०९९.	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	३४	,,	सुधर्मास्वामि			१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५१००.	उपासकदशाङ्गसूत्र[8]	२४	,,	सुधर्मास्वामि	८१२		१६१६	,,	१०।। × ४।।
१५१०१.	उपासकदशाङ्गसूत्र	२४	,,	सुधर्मास्वामि	८१२		,,	,,	१०। × ४।।
१५१०२.	उपासकदशाङ्गसूत्र	२८	,,	सुधर्मास्वामि	८१२		,,	,,	१०। × ४।।
१५१०३.	उपासकदशाङ्गसूत्र	१८	,,	सुधर्मास्वामि	८१२		,,	,,	१०। × ४।।
१५१०४.	उपासकदशाङ्गसूत्र	२२	,,	सुधर्मास्वामि	८१२		१६९२	,,	१० × ४।।।
१५१०५.	दशश्रावकचरित्र	४३	,,	शुभवर्धन		१५४६	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५१०६.	उपासकदशाङ्गसूत्र	१९	,,	सुधर्मास्वामि	८६३		१६११	,,	१०।। × ४।

१. पत्र ९०मुं, ३७५मुं अने ६३५मुं डबल छे, तेमज पत्र २१४ थी २१९, २३० थी २४७, २५९मुं, ३६८मु अने ३७८मुं नथी. २. पत्र ४५मुं डबल छे. ३. पत्र ३९मुं डबल छे. ४. प्रति उंदरे करडेली छे. पत्र ९५मुं अने २०६मुं डबल छे. ५. पत्र २६मुं, ५६मुं, ६७मुं डबल छे अने ४७मुं नथी. ६. प्रति शुद्ध छे. ७. प्रति सुधारेली छे. ८. चित्रपृष्ठिकासह

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनास.	लेखनस.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५१०७.	कल्पसूत्रबालावबोध	२६७	गु.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५१०८.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ	१८१	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी.अभयदेवसूरि	९,४००	टी. ११२०	,,	,,	१०।। × ४।।
१५१०९.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाठ[१]	१६७	,,	मू. सुधर्मास्वामि टी.अभयदेवसूरि	९,४००	टी. ११२०	,,	,,	१०।। × ४।।
१५११०.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र वृत्ति	१००	सं.	अभयदेवसूरि	३,८००	टी. ११२०	१६६९	,,	१०। × ४।।
१५१११.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र अपूर्ण	६६	प्रा.	सुधर्मास्वामि			१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५११२.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र[२]	८०	,,	सुधर्मास्वामि	५,०००		१५५७	मध्यम	१०।। × ४।।
१५११३.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१२५	,,	सुधर्मास्वामि			१६४९	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५११४	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१७३	,,	सुधर्मास्वामि	५,५४७		१५६८	,,	१०। × ४।।
१५११५.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	१०७	,,	सुधर्मास्वामि	५,३६६		१७१९	मध्यम	१०। × ४।
१५११६.	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र	९६	,,	सुधर्मास्वामि	५,४३४		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५११७.	कातन्त्रव्याकरणदुर्गसिंहवृत्ति तद्धितपर्यन्त त्रुटक	५६-८२	सं.	दुर्गसिंह			१५७९	,,	११ × ४।।।
१५११८.	आवश्यकसूत्रप्रथमपीठिका बालावबोधसह	४०	प्रा.गु.	बा. रत्नशेखरसूरिशिष्य			१६०१	उत्तम	११ × ४।।।
१५११९.	भगवतीसूत्रगत तुङ्गियानगरीश्रावकआलापक	५	प्रा.				१८मो	,,	१०।।। × ५
१५१२०.	कल्पसूत्र सचित्र[३]	४७	,,	भद्रबाहुस्वामि	१,२१६		१६मो	,,	११। × ४।।।
१५१२१.	पर्यन्ताराधनाप्रकरण बालावबोधसह	१२	प्रा.गु.	मू.सोमसुन्दरसूरि	२००		,,	,,	११ × ४।।
१५१२२.	षष्टिशतकप्रकरणम्	७	प्रा.	नेमिचन्द्र भण्डारी	गा. १६१		,,	मध्यम	११ × ४।।।
१५१२३	कर्मग्रन्थ चार स्वोपज्ञटीकासहित	८८	प्रा. स.	देवेन्द्रसूरि			,,	मध्यम	११ × ४।।।
१५१२४	भववैराग्यशतक सस्तबक	९	प्रा. गं.				१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५१२५	उत्तराध्ययनसूत्र	३९	प्रा.				१५मो	जीर्ण	१०।। × ४।।
१५१२६	श्रीपालचरित्र	३३	,,	रत्नशेखरसूरि	१,६७६.	१४२८	१४९२	उत्तम	१०।। × ४।।
१५१२७	मङ्गलकलशकथाप्रबन्धरास	२७	गु.	ज्ञानरुचि	गा. ३३१	१५२५	१६६७	,,	११ × ४।।
१५१२८	दशवैकालिकसूत्र	१०	प्रा०	शय्यम्भवसूरि	७००		१६मो	,,	११।। × ४।।
१५१२९	सिद्धहेमशब्दानुशासन तृतीयाध्याय तृतीय पादथी चतुर्थाध्यायपर्यन्त अवचूरि-आख्यातवृत्ति अवचूरि	४५	सं.						
१५१३०	दशदष्टान्त-मनुष्यभवदुर्लभविषये	१६-२७	गु.					अतिजीर्ण	११। × ४।।
१५१३१	१. मुञ्जकथा	१०	सं.	१.कृष्णगच्छीय जयसिंहसूरि	५५०		,,	,,	१०। × ४।।
	२. मन्त्रि-दासीकथा पद्य[४]						,,	,,	१०।। × ४।।

१. प्रति शुद्ध छे. २. प्रति शुद्ध छे. पत्र ३५मुं नथी. ३. चित्रो सुन्दर पण घसायेला छे. ४. पत्र ८मु नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५१३२	चन्द्रप्रभचरित्र बीजक टिप्पणसह[१]	८७	सं.	देवेन्द्रसूरि	५,३३५	१२६४	१६मां	मध्यम	११ × ४।।
१५१३३	शत्रुञ्जयकल्प बालावबोधसह	४	प्रा.गुं.				,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५१३४	षडावश्यकसूत्रवृत्ति-वन्दारुवृत्ति	५९	सं.	देवेन्द्रसूरि	२,७२०		,,	,,	१० × ४।।
१५१३५	कातन्त्रव्याकरणबालाववोधचतुष्कवृत्ति टिप्पनक	२७	प्रा.गु.	मेरुतुङ्गाचार्य			,,	,,	११ × ४।।
१५१३६	सङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक त्रिपाठ	५७	प्रा.स.	मू. श्रीचन्द्रसूरि, टी. देवभद्रसूरि	३,५००		१६६५	,,	११ × ४।।
१५१३७	भगवद्भक्तिरत्नावली	२-३९	सं.	विष्णुपुरी			१५७१	मध्यम	११ × ४।।
१५१३८	गणितसारभाषा कविता	७	गु.	हेमराज	गा.९९		१९मो	उत्तम	११ × ५
१५१३९	रात्रिभोजनचतुष्पदी	१६	,,	धर्मसमुद्र वाचक	गा.२५२		१६२७	,,	११ × ४।।
१५१४०	जातकाभरण	१३	सं.				१८मो	,,	११ × ५
१५१४१	सारस्वतव्याकरण	३८	,,	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			१६६८	,,	११ × ५
१५१४२	पार्श्वनाथचरित्र[२]	१३८	सं.	भावदेवसूरि			१४५४(?),,		११ × ४।।
१५१४३	प्रज्ञापनोपाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाठ	३४०	प्रा.सं.	मू. श्यामाचार्य, टी. मलयगिरि			१७मो	,,	१०।।। × ४।
१५१४४	समयसारनाटक	३१	हिन्दी	बनारसीदास		१७०७	१८२४	,,	१० × ४।।।
१५१४५	ज्ञानविमलसूरिकृत सज्झायसङ्ग्रह	२६	गु.	ज्ञानविमलसूरि			१९मो	,,	१०।।। × ४।।।
१५१४६	सप्तशती	२४	व्रज	बिहारी			१८५७	,,	१०।।। × ५
१५१४७	दशाप्रकरण	१	सं.				१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५१४८	जातकपद्धति	४	,,	हर्षविजय	९४	१७६५	१७८९	,,	१०।।। × ४।।।
१५१४९	दीपालिकाकल्प सस्तबक	५२	सं.गु.	मू. जिनसुन्दर, स्त. दीपसागर	१,२००	मू.१४८३ स्त.१७६३	१९मो	,,	१०।।। × ५
१५१५०	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध	५५	सं.	रामाश्रमाचार्य			,,	,,	१०।। × ५
१५१५१	मोक्षप्राभृत	३२	प्रा.	कुन्दकुन्दाचार्य			१७मो	,,	१० × ५
१५१५२	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक	६	प्रा.गु.	मू. हरिभद्रसूरि			२०मो	,,	९।। × ४।
१५१५३	देवसिप्रतिक्रमणादिविधि	७	गु.				२०मो	,,	९।। × ४।
१५१५४	षष्ठकर्मग्रन्थ सस्तबक[३]	१७	प्रा.गु.	मू. चन्द्र महत्तर			१९मो	,,	१०। × ५
१५१५५	गौतमकुलक बालावबोध सह	२३	,,		८००		,,	,,	१०। × ५
१५१५६	दशवैकालिकसूत्र तृतीयाध्ययनपर्यन्त	४	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	गा.३१		१७मो	,,	१०। × ५
१५१५७	आचारप्रदीप	४९	सं.	रत्नशेखरसूरि	४,०६५	१५१६	,,	,,	१०। × ५

१. प्रति शुद्ध छे. २. पत्र ४५मुं नथी अने १२८मुं डबल छे. ३. किनारी ऊधईए खाधेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५१५८	जीवविचारप्रकरण दीपिका सह त्रिपाठ	६	प्रा.सं.	मू. शान्तिसूरि, दी. भावसुन्दर	मू.५१	१५१६	१७मो	उत्तम	९।।। × ४।
१५१५९	नवतत्त्वप्रकरण	२	प्रा.						९।।। × ४।
१५१६०	दण्डकबोलविचार	२८	प्रा.				,,	,,	९।।। × ४।
१५१६१	साधुप्रतिक्रमणसूत्र	४	प्रा.				,,	,,	९।।। × ४।
१५१६२	सम्बोधसप्तिका अपूर्ण	११	,,	रत्नशेखरसूरि			१८मो	,,	९।।। × ४।
१५१६३	पञ्चास्तिकाय सटीक प्रथमश्रुतस्तकन्ध	२३	सं.				१७मो	,,	१० × ४।
१५१६४	१. क्षेत्रसमासप्रकरण २. लोकनालिकाद्वात्रिंशिका ३. सङ्ग्रहणीप्रकरण ४. ऋषमपञ्चाशिका	११	प्रा.	१. रत्नशेखरसूरि ३. श्रीचन्द्रसूरि ४. धनपाल कवि			१७२९	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५१६५	जम्बूद्वीपगणितपद	४	सं.				१६मो	उत्तम	९।।। × ४।
१५१६६	पिङ्गलसारोद्धार प्राकृत	२१	अप.				,,	मध्यम	९।। × ४।।
१५१६७	देवसिप्रतिक्रमणादिविधि	४	गु.				१८मो	,,	९।। × ४।
१५१६८	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमाध्याय बृहद्-वृत्ति अने टिप्पणीसह	४१	सं.	हेमचन्द्राचार्य			१५२७	जीर्ण	९।।। × ४।।
१५१६९	१. सिद्धहेमउणादिवृत्तिसूत्रपाठ पञ्चमाध्यायप्रथमपादपर्यन्त २. धातुपाठ अपूर्ण	१०	,,	हेमचन्द्राचार्य			१८मो	उत्तम	९।।। × ४।
१५१७०	होरामकरन्दजातक	३२	सं.	गुणाकर			१८मो	उत्तम	९।।। × ४।
१५१७१	चतुर्थकर्मग्रन्थ सस्तबक	२१	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि	६५०		१७४८	मध्यम	९।।। × ४।
१५१७२	वल्लभाष्टकव्याख्या	२	सं.	रघुनाथ			१८मो	उत्तम	९।। × ४।।
१५१७३	द्वितीयकर्मग्रन्थ बालावबोध सह	२३	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि			,,	मध्यम	९।।। × ४
१५१७४	पाक्षिकसूत्रावचूरि[1]	१९	सं.				,,	उत्तम	९। × ४
१५१७५	१. सत्यविजयपंन्यास निर्वाण २. सत्यविजयपंन्यास स्वाध्याय	८	गु.	१. जिनहर्ष	स्वा.गा.२५	१७५६	१८०५	,,	९।। × ४।
१५१७६	पाण्डवचरित्र[2]	३०६	सं.	मलधारी देवप्रभसूरि	१०,०००		१७मो	,,	११ × ४।
१५१७७	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र	७९	प्रा.		२,०८९		,,	मध्यम	१०।।। × ४।।

१. चित्रपृष्टिकासह २. पत्र ११-१२ भेगां छे. पत्र २६९ थी ३०६ पंन्यास मुक्तिविमलजीए सं. १९७२मां लखेलां छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५१७८	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ	१०५	प्रा.सं.				१७मो	मध्यम	११ × ४।।
१५१७९	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र	६७	प्रा.		२,०८९		,,	,,	१०।।। × ४।।
१५१८०	विपाकसूत्र	४९	,,	सुधर्मास्वामि			१६मो	,,	१०।।। × ४।।
१५१८१	अढी द्वीपनो नकशो - पट[1]	१					१८मो	,,	२२ × २१
१५१८२	निरयावलिकावृत्ति	१२	सं.	श्रीचन्द्रसूरि			१७मो	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५१८३	जीवाभिगमसूत्र	१९७	प्रा.	सुधर्मास्वामि	४,७५०		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।
१५१८४	प्रज्ञापनोपाङ्गसूत्रवृत्ति[2]	२७५	सं.	मलयगिरि	१६,०००		१६१५	,,	१०।। × ४।।
१५१८५	प्रज्ञापनोपाङ्गसूत्रवृत्ति[3]	२६१	,,	मलयगिरि	१६,०००		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५१८६	जीवाभिगमसूत्र[4]	१३५	प्रा.	सुधर्मास्वामि	४,७००		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५१८७	दशवैकालिकसूत्र	६३	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१६६७	,,	१०।। × ४।।
१५१८८	दशवैकालिकसूत्र[5]	२९	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५१८९	दशवैकालिकसूत्र	११	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१६मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५१९०	दशवैकालिकसूत्र	२१	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१६२४	,,	१०। × ४।।
१५१९१	दशवैकालिकसूत्र	४१	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१६मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५१९२	१. दशवैकालिकसूत्र		प्रा.	१. शय्यम्भवसूरि	७००				
	२. पाक्षिकसूत्र सावचूरि	३२	प्रा.सं.				,,	अतिजीर्ण	१०। × ४।।
१५१९३	दशवैकालिकसूत्र	२१	प्रा.	शय्यम्भवसूरि		७००	१६४३	उत्तम	१०।। × ४।।
१५१९४	दशवैकालिकसूत्र	३१	,,	शय्यम्भवसूरि		७००	१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५१९५	दशवैकालिकसूत्र	२९	,,	शय्यम्भवसूरि		७००	,,	,,	१०।। × ४।।
१५१९६	दशवैकालिकसूत्र	२६	,,	शय्यम्भवसूरि		७००	१६४७	,,	१०। × ४।
१५१९७	दशवैकालिकसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ	३३	प्रा.सं.	मू. शय्यम्भवसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५१९८	दशवैकालिकसूत्र बृहद्वृत्ति[6]	१९९	सं.	हरिभद्रसूरि	६८,५००		,,	मध्यम	१०। × ४।
१५१९९	दशवैकालिकसूत्र चतुर्थाध्ययनपर्यन्त	६	प्रा.	शय्यम्भवसूरि			१७८३	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२००	भगवतीसूत्र[7]	३५०	,,	सुधर्मास्वामि	१५,७५२		१६मो	,,	१०।।। × ४।।
१५२०१	समवायाङ्गसूत्र	६७	,,	सुधर्मास्वामि	१,६४७		१७मो	,,	१०।। × ४।।।
१५२०२	स्थानाङ्गसूत्र सस्तबक	२०५	प्रा.गु.	टी. अभयदेवसूरि	९,५००		,,	,,	१०।। × ४।।
१५२०३	स्थानाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाठ[8]	२३४	प्रा.सं.	टी. अभयदेवसूरि	१८,०००	टी.११२०	१७मो	,,	१०। × ४।

१. कपडा उपर. २. पत्र १३८मुं डबल छे. ३. प्रति शुद्ध छे. ४. प्रतिमा ऊधईए काणां पाडयां छे. ५. प्रथम द्वितीय पत्रमां भगवान तथा गौतमस्वामिनुं चित्र छे. ६. प्रति शुद्ध छे. पत्र ११४मुं अने १४२मुं डबल छे. ७. प्रति शुद्ध करेली छे. ८. प्रति शोधेली छे. पत्र १२२मुं नथी.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५२०४	स्थानाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ[१]	१०५	प्रा.सं.		मू.५,४४२	टी.११२०	१६१५	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२०५	भगवतीसूत्र	३६९	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१६,०००		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२०६	भगवतीसूत्र[२]	२८६	,,	सुधर्मास्वामि	१६,०००		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२०७	भगवतीसूत्र वृत्ति	३०५	सं.	वृ. अभयदेवसूरि	१८,६१६	११२८	१६२१	,,	१०।। × ४।।
१५२०८	समवायाङ्गसूत्र	३३	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१६४७		१५५९	जीर्ण	१०। × ४।।
१५२०९	समवायाङ्गसूत्र	४०	,,	सुधर्मास्वामि	१६३७		१६४७	उत्तम	१०। × ४।
१५२१०	समवायाङ्गसूत्र	५८	,,	सुधर्मास्वामि	१६३७		१७मो	जीर्णप्राय	९।। × ४।।
१५२११	समवायाङ्गसूत्र वृत्ति[३]	७५	सं.	अभयदेवसूरि	३,९७५	११२०	,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५२१२	समवायाङ्गसूत्र वृत्ति	८४	,,	अभयदेवसूरि	३,७७५	११२०	,,	,,	१० × ४।।
१५२१३	भगवतीसूत्र[४]	२९०	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१५,७५२		,,	,,	१०। × ४।।
१५२१४	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र सस्तबक	१३८	प्रा.गु.	स्त. राजचन्द्रसूरि	५,५०१		१८मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५२१५	कल्पान्तर्वाच्य	५९	सं.				१५७४	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२१६	कल्पान्तर्वाच्य अपूर्ण	१९	,,				१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५२१७	पुराणश्लोकसङ्ग्रह सस्तबक	३३	सं.गु.				१७६२	उत्तम	१०। × ४।।
१५२१८	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र सप्तमपर्व रामायण	७१	सं.	हेमचन्द्राचार्य	३,८४४		१५२४	,,	१०। × ४।।
१५२१९	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ	११०	प्रा.सं.	टी. मलयगिरिसूरि	५,८७०		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५२२०	कल्पसूत्र सस्तबक	६२	प्रा.गु.		३२००		१६२७	मध्यम	१०। × ४।।
१५२२१	कल्पसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ	५१	प्रा.सं.		मू. १,२१६		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२२२	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण सस्तबक	५४	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२२३	अध्यात्मकल्पद्रुम सटीक त्रिपाठ	७५	सं.	मू. मुनिसुन्दरसूरि, टी. धनविजयगणि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५२२४	अध्यात्मकल्पद्रुम सटीक	७५	,,	मू. मुनिसुन्दरसूरि, टी. धनविजयगणि			,,	,,	१०। × ४।।
१५२२५	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण	९	प्रा.	देवेन्द्रसूरि	का. ३३९		१५९९	,,	१०।। × ४।।
१५२२६	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण सस्तबक	४५	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि स्त. धर्मचन्द्र		१७७८		,,	१०।। × ४।।।
१५२२७	सङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक[५]	७३	प्रा.सं.	मू. श्रीचन्द्रसूरि, टी. देवभद्रसूरि	३,५००		१६५५	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२२८	सङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक त्रिपाठ	३६	,,	मू. श्रीचन्द्रसूरि, टी. देवभद्रसूरि	३,५००		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५२२९	लघुक्षेत्रसमासप्रकरण	७	प्रा.	रत्नशेखरसूरि	गा. २७८		,,	,,	१०। × ४।।
१५२३०	सुभाषित	१६	गु.	रत्नशेखरसूरि			,,	,,	१०।। × ४।।।

१. पत्र २२-२३ भेगां छे. २. पत्र २६५मुं नथी, २३३मुं अने २६६मुं डबल छे तथा २५४-२५५ भेगां छे. ३. चित्रपृष्ठिका सह. ४. प्रति एक बाजुथी उंदरे करडेली छे. पत्र ३४मुं अने २५३मुं डबल छे तथा ४२-४३ भेगां छे. ५. प्रति शोधेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५२३१	सुभाषित	८	सं.	रत्नशेखरसूरि				उत्तम	१०।। × ४।।।
१५२३२	चातुर्मासिकव्याख्यान	१५	,,	धर्ममन्दिर	५००	१७४९	१८मो	,,	१०।। ४।।
१५२३३	षड्दर्शनसमुच्चय सटीक[1]	७३	,,	मू. हरिभद्रसूरि, टी. गुणरत्नसूरि			१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५२३४	षड्दर्शनसमुच्चय लघुवृत्तिसह	१८	,,	मू. हरिभद्रसूरि,	१,२५२		,,	,,	१०।। × ४।।
१५२३५	प्रबोधचन्द्रोदयनाटक[2]	३३	,,	कृष्णमिश्र			,,	,,	१०।। × ४।।
१५२३६	सम्यक्त्वकौमुदी	४८	,,		१,६७५		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५२३७	आचारप्रदीप	५८	,,	रत्नशेखरसूरि	४,०६५	१५१६	१६५३	,,	१०।। × ४।।
१५२३८	पाण्डवचरित्रमहाकाव्य	२९७	,,	मलधारी देवप्रभसूरि	९,३०९		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२३९	लोकनालिकाप्रकरण बालावबोध सह त्रिपाठ	९	प्रा.गु.	बा. सहजरत्न			१८मो	,,	१०। × ४।।
१५२४०	यतिदिनचर्या	४	प्रा.	देवसूरि	१५४		१७२९	,,	१०। × ४।।
१५२४१	योगविधि	२४	सं.गु.				१७मो	,,	१०। × ४।।।
१५२४२	आराधनाबालावबोध	५१	गु.				,,	,,	१०। × ४।।
१५२४३	सूत्रविचारबालावबोध	३८	,,	सहजकुशल			१७७९	,,	१०। × ४।।
१५२४४	सत्तरिसयठाण सस्तबक	४७	प्रा.गु.	मू. सोमतिलकसूरि	गा. ३२९	१३८७	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२४५	प्रतिमाशतक स्वोपज्ञटीकासहित त्रिपाठ[3]	१६९	सं.	उपा. यशोविजयजी			१७५६	,,	१०। × ४।।
१५२४६	संवादसुन्दर	६	,,		३३३		१५५४	,,	१०।। × ४।।
१५२४७	कल्पान्तर्वाच्य	४९	,,				१७मो	,,	१० × ४।।
१५२४८	सम्यक्त्वकौमुदी	३७	,,				१६४७	,,	१०। × ४।।
१५२४९	योगविधि	२३	सं.गु.				१७०१	जीर्ण	१०। × ४।।
१५२५०	ऋषिभाषितसूत्र	१४	प्रा.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५२५१	सङ्ग्रहणीप्रकरणावचूरि	३०	सं.				१६२९	,,	१०। × ४।।
१५२५२	दशवैकालिकसूत्र सटीक अपूर्ण	४३	प्रा.सं.	टी. उपा. समयसुन्दर			१७मो	,,	१० × ४।।
१५२५३	धर्मपरीक्षा स्वोपज्ञटीकासहित त्रिपाठ	१०९	,,	उपा. यशोविजयजी	५,५५०		१७२५	,,	१० × ४।।
१५२५४	कातन्त्रव्याकरणदौर्गसिंहीवृत्ति[4]	५-५५	सं.	दुर्गसिंह			१५मो	,,	११ × ५
१५२५५	उपदेशमालाप्रकरण बालावबोध सह	२-७७	प्रा.गु.				१४९०	,,	१०।।। × ४।।
१५२५६	होलिपर्वकथा पद्य	२	सं.	जिनसुन्दरसूरि	५१		१७मो	मध्यम	११ × ४।।
१५२५७	कल्पान्तर्वाच्य	२१	प्रा.सं.				१६मो	उत्तम	१०।।। × ४।।

१. पत्र २२-२३-२४ भेगा छे. २. पत्र १६मुं डबल छे. ३. प्रति चोंटेली छे. ४. त्रूटक, अपूर्ण

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५२५८	षट्पञ्चाशिका बालावबोध सह	५	सं.गु.				१७मो	उत्तम	११ × ४।।
१५२५९	राजहंसकथा गद्य	४	सं.				,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५२६०	संस्तारकप्रकीर्णक	७	प्रा.				,,	,,	११ × ४।
१५२६१	नन्दिअड्ढछन्दःशास्त्र	५	,,		गा. ९४		१६मो	उत्तम	११ × ४।।
१५२६२	शीलोपदेशमालाप्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ	५	प्रा.सं.	मू. जयकीर्तिसूरि			१७मो	,,	११ × ४।।
१५२६३	कातन्त्रव्याकरण दौर्गसिंहीवृत्ति युष्मद् अस्मद्-तद्धितपर्यन्त	४९-११२	सं.				१५४२	मध्यम	११ × ४।।
१५२६४	१. यवराजर्षिकथा		,,						
	२. आरामशोभाकथा मुनिसुव्रतचरित्रान्तर्गता		,,						
	३. धनपालचरित्रप्रबन्ध	२९	,,				१६मो	उत्तम	११ × ४।
	४. अष्टप्रकारीपूजाकथा-विजयचन्द्रकेवलिचरित्रान्तर्गता		प्रा. ४	चन्द्रप्रभसूरि		११२७			
१५२६५	भवभावनाप्रकरण संक्षिप्तटीकासह	५४	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि			,,	,,	११ × ४।।
१५२६६	लीलावतीगणित	६३	,,	भास्कराचार्य	८००		१७मो	,,	११ × ४।।।
१५२६७	पार्श्वनाथचरित्रमहाकाव्य[1]	२०५	,,	भावदेवसूरि	६,२००	१४१२	१६मो	अतिजीर्ण	१०।।×४।।।
१५२६८	गोमटसार कर्मकाण्ड बालावबोधसहित	७३	प्रा.हिं.	मू. नेमिचन्द्र, बा. हेमराज	२,०००		१७२१	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२६९	षष्टिशतप्रकरण	६	प्रा.	नेमिचन्द्र भण्डारी	१६१		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५२७०	रत्नशेखरीकथा[2]	२-२१	,,	जिनहर्ष			,,	,,	१०।। × ४।।
१५२७१	१. चम्पकमालाकथा								
	२. श्रीपालकथा								
	३. रत्नमालाकथा								
	४. कुलध्वजकथा	१८	सं.				१७मो	,,	१०।। × ४।।
	५. जिनदत्तकथा								
	६. वीरसेनकथा								
१५२७२.	हेतुगर्भप्रतिक्रमणविधि	२७	,,	जयचन्द्रसूरि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५२७३	सङ्ग्रहणीप्रकरण[3]	१६	प्रा.	श्रीचन्द्रसूरि			१७७७	,,	१०।। × ४।।
१५२७४	अध्यात्मकल्पद्रुम अपूर्ण	२	सं.	मुनिसुन्दरसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५२७५	नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध सह	४-२३	प्रा.गु.	बा. सोमसुन्दरसूरि	७५१			,,	१०।। × ४।।

१. प्रथम पत्रमां पार्श्वनाथनुं चित्र छे. २. प्रथम पत्र नथी. ३. प्रति चोंटेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५२७६	विवेकमञ्जरीप्रकरण	६	प्रा.	आसड	गा. १४४	१२७४	१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२७७	सङ्ग्रहणीप्रकरण यन्त्रसह	१९	,,	श्रीचन्द्रसूरि	३५३		१७मो	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५२७८	आराधनापताका	२६	,,		गा. ९३१		,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२७९	चित्रसेन-पद्मावतीकथा पद्य	१३	सं.	उपा. राजवल्लभ	५०६	१५२२	१६४०	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२८०	अध्यात्मोपनिषद्	६	,,	उपा. यशोविजयजी	२३१		१७४१	,,	१०।।। × ४।।।
१५२८१	षड्द्रव्यविचार	४	गु.				१७२५	,,	१० × ४।।।
१५२८२	शोभनस्तुति	६	सं.	शोभनमुनि	का. ९७		१७मो	,,	१०।।। × ४।।।
१५२८३	सप्ततिकाप्रकरणबालावबोध अपूर्ण	१२	गु.				१८मो	,,	१०।।। × ४।।।
१५२८४	श्रुतविचारबालावबोध	२६	,,	सहजकुशल			१७मो	,,	१०।।। × ४।।।
१५२८५	बन्धस्वामित्व-तृतीयकर्मग्रन्थ प्राचीन	३	प्रा.		गा. ५४		,,	मध्यम	१०।। × ४।।।
१५२८६	भर्तृहरिशतकत्रय	२१	सं.	भर्तृहरि			१६९०	जीर्ण	१०।।। × ४।।
१५२८७	आवश्यकपीठिका बालावबोधसह	२३	प्रा.गु.		५५५		१७४१	उत्तम	९।।। × ५
१५२८८	कल्पान्तर्वाच्य	४०	सं.				१६४९	,,	१०।।। × ४।।।
१५२८९	शुकदेवसंवाद	१३	,,		३९४		१७मो	मध्यम	१०।। × ४।
१५२९०	स्थूलभद्रचरित्र[1]	१६	,,	जयानन्दसूरि	६८६		१६मो	जीर्ण	१०।।। × ४।।
१५२९१	सम्यक्त्वसप्ततिका	६	प्रा.		गा. ७०		१५५८	उत्तम	१०।।। × ४।।
१५२९२	पिण्डविशुद्धिप्रकरण दीपिका सह	६	प्रा.सं.	मू. जिनवल्लभगणि	मू.गा. १०३		१६मो	,,	१०।।। × ४।।
१५२९३	भवभावनाप्रकरण	१७	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	गा. ५३७		,,	,,	१०।।। × ४।।
१५२९४	भवभावनाप्रकरण	१४	,,	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	गा. ५३१		१५६५	,,	१०।।। × ४।।
१५२९५	योगशास्त्र प्रकाश १-४	२०	सं.	हेमचन्द्राचार्य			१७मो	,,	१०।।। × ४।।।
१५२९६	१. कर्मस्तव कर्मग्रन्थ प्राचीन २. बन्धस्वामित्व कर्मग्रन्थ प्राचीन ३. सम्यक्त्वपचीसी ४. वैराग्यकुलक	११	प्रा.		गा. ५७ गा. ५४ गा. २५ गा. ८		१५७१	जीर्ण	१०।। × ४।।
१५२९७	भुवनदीपक	६	सं.	पद्मप्रभसूरि	१६९		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५२९८	ऋषभपञ्चाशिका सावचूरि पञ्चपाठ	२	,,	मू. धनपाल कवि	मू. गा.	५०	१५०६	मध्यम	१०।। × ४।।
१५२९९	सिन्दूरप्रकर-सोमशतक	८	,,	सोमप्रभाचार्य	का. ९८		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।

१. प्रथम पत्रमां सुन्दर चित्र छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५३००	पिण्डविशुद्धिप्रकरण सस्तबक	१२	प्रा.गु.	मू. जिनवल्लभसूरि	मू. गा. १०३, ग्रं. ६२७		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५३०१	भावविषयककथासङ्ग्रह	७	प्रा.				१५मो	,,	१०।। × ४।।
१५३०२	नष्टोद्दिष्टानयनप्रकार	३	सं.				१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५३०३	काव्यकल्पलता-कविशिक्षा अपूर्ण	७	,,	अमरचन्द्रसूरि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५३०४	१.वीतरागस्तोत्र अष्टमप्रकाश वृत्तिसह २.सर्वार्थनिराकरणवादस्थल	७	,,	१. हेमचन्द्राचार्य २. रविप्रभ			,,	,,	१०। × ४।।
१५३०५	धनदेवादिकथादशक	६					,,	मध्यम	१०।। × ४।
१५३०६	चतुर्विंशतिजिनस्तुति सटीक	१३	,,	मू. जिनप्रभसूरि, टी. कनककुशल	५०१	टी.१६५२	,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५३०७	लग्नशुद्धिप्रकरण	५	प्रा.	हरिभद्रसूरि	१७३		,,	,,	१०। × ४।
१५३०८	जिनशतक	५	सं.	जम्बू कवि			१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५३०९	साधुअतिचार	२	गु.				१७मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५३१०	वाक्यप्रकाशऔक्तिक सटीक	१६	सं.	मू. उदयधर्म, टी. हर्षकुलगणि		मू. १५०७	,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५३११	प्रज्ञापनातृतीयपदसङ्ग्रहणी	३	प्रा.	अभयदेवसूरि	गा. १३३		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५३१२	सिद्धान्तआलापक	११	,,				,,	,,	१०।। × ४।।।
१५३१३	देववन्दनादिभाष्यत्रय	५	,,	देवेन्द्रसूरि	१५३		१७मो	मध्यम	१०।। × ४
१५३१४	धातुपाठ	७	सं.	हेमचन्द्राचार्य			,,	उत्तम	१० × ४।।
१५३१५	निर्जराविचार	१	,,				,,	,,	१०।। × ४।।
१५३१६	शोभनस्तुति सावचूरि पञ्चपाठ[1]	६	,,	मू. शोभनमुनि			,,	,,	१०। × ४।।
१५३१७	योगविधि	३	प्रा.सं.गु					,,	१०।। × ४।।
१५३१८	तपोटमतकुट्टनशतक	३	सं.	जिनप्रभसूरि	११०		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५३१९	यतिप्रतिक्रमणसूत्र	४	प्रा.				१८मो	,,	१०। × ४।।
१५३२०	सारशिखामणरास	१३	गु.	उपा. संवेगसुन्दर	गा. २३३	१५४८	१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५३२१	आलोचनाप्रदानविधि	३	,,				१८मो	,,	१०।। × ४।।
१५३२२	गजसुकुमालचतुष्पदी	४१	,,	जिनराजसूरि	१६९९		१७७४	,,	१०। × ४।।।
१५३२३	जम्बूस्वामिरास	२९	,,	नयविमल	गा. ६०८ ग्रं. १०३५	१७३८	१७३८	,,	१०।। × ४।।।
१५३२४	छोतीरास	३	,,		गा. ६१		१७मो	,,	१०। × ४।।

१. रिक्तलिपिचित्रमय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५३२५	उपदेशरत्नाकरसूत्र[1]	१२	मिश्र	मुनिसुन्दरसूरि			१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५३२६	सारशिखामणरास	२६	गु.	संवेगसुन्दर	१५६८		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३२७	१. कल्पसूत्रनी भासो २. गुरुगुणपूजाविधिरास }	१७	,,	२. सुखसागर			१८मो	,,	१०। × ४।।।
१५३२८	विमलमन्त्रिरास	३२	,,	लावण्यसमयगणि	१५६८		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३२९	सारस्वततिगन्तवृत्ति	८	सं.				,,	,,	१०। × ४।।
१५३३०	चतुःशरण बालावबोध सह	७	प्रा.गु.	मू. वीरभद्रगणि			१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५३३१	सम्बोधसप्ततिका सस्तबक	१०	,,	मू. रत्नशेखरसूरि			१७२८	उत्तम	१०।। × ४।
१५३३२	देवाःप्रभो स्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	१	सं.	मू. जयानन्दसूरि			१६१६	,,	१०। × ४।
१५३३३	लिङ्गानुशासन[2]	८	,,	हेमचन्द्राचार्य			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३३४	सप्तस्मरण	९	प्रा.सं.				,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५३३५	सम्बोधसप्ततिकाप्रकरण	३	प्रा.	रत्नशेखरसूरि	गा. ८७		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५३३६	योगसार	९	सं.		गा. २०६		,,	,,	१०।। × ४।।
१५३३७	मृगावतीआख्यान-सुपात्रदाने	१६	गु.	सकलचन्द्र	गा. ४०९		१८मो	जीर्ण	१०। × ४।।
१५३३८	अगडदत्तचतुष्पदी	६	,,	पुण्यनिधान	१७०३		,,	उत्तम	१०। × ४।
१५३३९	धनाचरित्ररास-सुपात्रदाने	७	,,	मतिशेखर	गा. ३२६	१५१४	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३४०	नलराजचतुष्पदी	११	,,	अञ्चलगच्छीय ऋषिवर्धनसूरि	गा. ३४०	१५१२	१५७९	,,	१०। × ४।।
१५३४१	मण्डलप्रकरण स्वोपज्ञटीकासहित	१६	प्रा.सं.	विनयकुशल	मू.गा.९९, ग्रं. १,०३१	१६५२	१६७१	,,	१०।। × ४।।
१५३४२	ऋषिदत्ताचतुष्पदी शीलविषये	१३	गु.	देवकलश	गा. ३०१	१५६९	१६मो	,,	१०। × ४।।
१५३४३	मृगाङ्कलेखाचरित्र	८	,,	वच्छ-वाछो	-	१५२३	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३४४	दामन्नकरास	४	,,		गा. १४८		१६४२	,,	१०। × ४।।
१५३४५	रौहिणेयप्रबन्धरास[3]	८	,,	देपाल कवि			१७मो	जीर्णप्राय	१०। × ४।।
१५३४६	गीतो	६	,,	उपा. यशोविजयजी			१८मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५३४७	प्रश्नोत्तर	२	,,	मोहनविजय			१९मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५३४८	कल्पप्रारम्भपद्धति	५	सं.				,,	उत्तम	१० × ४।।
१५३४९	सम्यक्त्वादिव्रतोच्चारणविधि	२	प्रा.सं.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५३५०	योगोद्वहनविधि अपूर्ण	४	गु.				,,	,,	१०। × ४।

१. पत्र १ थी ३ अने ६ठ्ठुं नथी. २. पुंजराज मुनिए लखेली प्रति. ३. प्रति शुद्ध छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५३५१	१. शब्दप्रभेदनाममाला २. देशीनाममाला ३. द्वयक्षरनाममाला	८	सं.	१. महेश्वर कवि ३. सौभरि कवि			१७मो ,,	उत्तम ,,	१०। × ४। १०। × ४।।।
१५३५२	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	१०	प्रा.गु.	मू. सोमसूरि			१६८४	,,	१०। × ४।।
१५३५३	सज्जन दुहा	४	गु.		दुहा ४०		१७मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५३५४	भयहरस्तोत्र	२	प्रा.				,,	,,	१०। × ४।
१५३५५	१. निगोदषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ २. परमाणुखण्डषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ ३. पुद्गलषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ	१४	प्रा.सं.	टी. रत्नसिंहसूरि रत्नसिंहसूरि रत्नसिंहसूरि			,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५३५६	गांगेयभंगविचार स्वोपज्ञ अवचूरिसहित पञ्चपाठ	३	,,	श्रीविजय			१६७२	,,	१०। × ४।।
१५३५७	सम्बोधसप्ततिकाप्रकरण	४	प्रा.	रत्नशेखरसूरि	गा. ७४		१७मो	,,	१०।। × ४।
१५३५८	लघुशान्ति सस्तबक[1]	३	प्रा.गु.	मू. मानदेवसूरि			१८मो	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
१५३५९	आश्चर्यविचार	३	गु.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५३६०	पार्श्वनाथस्तव	१	,,		गा.२०		,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५३६१	महावीरस्तव	१	प्रा.		गा. २१		,,	उत्तम	१० × ४।
१५३६२	कातन्त्रव्याकरणबालावबोधवृत्ति	१७	सं.	मेरुतुङ्गाचार्य	५७९		,,	,,	१०। × ४।।
१५३६३	कातन्त्रव्याकरणबालावबोधवृत्ति	८	,,	मेरुतुङ्गाचार्य	९२९		,,	,,	१०। × ४।।
१५३६४	नवकारबालावबोध	९	गु.				१८मो	,,	१०।।। × ४।।
१५३६५	देववन्दनादिभाष्यत्रय सावचूरि	१९	प्रा.सं.	मू. देवेन्द्रसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३६६	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति[2]	२०४	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,२००		१५७०	मध्यम	१०।। × ४।।
१५३६७	आचाराङ्गसूत्र	५६	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,६४४		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५३६८	आचाराङ्गसूत्र द्वितीयश्रुतस्कन्ध बाला० वार्तिक[3]	१७६	गु.	पार्श्वचन्द्र			,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५३६९	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति	३१७	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		,,	उत्तम	१०।। × ४।
१५३७०	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति	२०२	,,	शीलाङ्काचार्य	१२,५५७		,,	,,	१०।। × ४।
१५३७१	आचाराङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध बाला० वार्तिक[4]	४७-२३३	गु.	पार्श्वचन्द्र			,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५३७२	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति	२१४	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		,,	उत्तम	१०। × ४।

१. प्रति उंदरे करडेली छे. २. पत्र ५९मुं डबल छे. ३. पत्र ४७मुं अने १५२मुं डबल छे. ४. पत्र ११८-११९ भेगां छे अने १०६ नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५३७३	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति	४१४	सं.	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५३७४	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति अपूर्ण	९८	,,	शीलाङ्काचार्य			,,	,,	१०। × ४।।
१५३७५	आचाराङ्गसूत्र	३४	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,५५४		१६मो	,,	१०। × ४।।
१५३७६	आचाराङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध	६८	,,	सुधर्मास्वामि			१६९४	,,	१०।। × ४।।
१५३७७	आचाराङ्गसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ	८९	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि	मू. २,६४४		१५८४	,,	१०।। × ४।।
१५३७८	आचाराङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध	६२	प्रा.	सुधर्मास्वामि			१७मो	,,	१० × ४।।
१५३७९	आचाराङ्गसूत्र	५४	,,	सुधर्मास्वामि	२,५५४		,,	मध्यम	१० × ४।।
१५३८०	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति अपूर्ण	२६	सं.	शीलाङ्काचार्य			,,	उत्तम	१० × ४।
१५३८१	आचाराङ्गसूत्र वृत्ति	३५१	,,	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		,,	,,	९।।। × ४।
१५३८२	१. सूत्रकृताङ्गसूत्र सटीक द्वितीय श्रुतस्कन्ध त्रिपाठ	१७१	प्रा.सं.	टी. शीलाङ्काचार्य	१५,७५०		,,	,,	१०।।। × ४।।
	२. सूत्रकृताङ्गसूत्र निर्युक्ति		प्रा.	नि.भद्रबाहुस्वामि					
१५३८३	आचाराङ्गसूत्र दीपिका सह पञ्चपाठ	१५७	प्रा.सं.	दी. जिनहंससूरि	९,२२५		,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५३८४	आचाराङ्गसूत्र	६९	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,५५४		,,	उत्तम	१०।! × ४।
१५३८५	सूत्रकृताङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध बाला० सह	५९	प्रा.गु.	बा.पार्श्वचन्द्र			,,	,,	१०।। × ४।।
१५३८६	सूत्रकृताङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध पञ्चपाठ	६०	,,	बा. पार्श्वचन्द्र	मू. २,२००		१६०५	,,	१०।। × ४।।
१५३८७	सूत्रकृताङ्गसूत्र निर्युक्ति	६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा. २०९ ग्रं. २५०		१६५२	,,	१०।। × ४।।
१५३८८	सूत्रकृताङ्गसूत्र द्वितीयश्रुतस्कन्ध दीपिका	९४	सं.	हर्षकुलगणि	१५८३		१६१४	,,	१०।। × ४।।
१५३८९	आचाराङ्गसूत्रवृत्ति	३२९	,,	शीलाङ्काचार्य	१२,०००		१६८१	,,	१०। × ४।।
१५३९०	१. सूत्रकृताङ्गसूत्र	१-६२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,२१०				
	२. सूत्रकृताङ्गसूत्र निर्युक्ति	६२-६९	,,	भद्रबाहुस्वामि	गा. २०८		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५३९१	३. सूत्रकृताङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध	२१	प्रा.	सुधर्मास्वामि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५३९२	आचारांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध	३५	प्रा.	सुधर्मास्वामि			१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५३९३	आचारांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध दीपिका सह	५२	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि दी. जिनहंससूरि			,,	,,	१०। × ४।।
१५३९४	आचारांगसूत्र निर्युक्ति	१०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा. ३६९, ग्रं. ४५०		१६५२	,,	१०।। × ४।।
१५३९५	आचारांगसूत्र सस्तबक	१३५	प्रा.गु.	स्त. पार्श्वचन्द्र			१८मो	जीर्ण	१०। × ४।
१५३९६	सूत्रकृतांगसूत्र द्वितीयश्रुतस्कन्ध सटीकपञ्चपाठ	११८	प्रा.सं.	टी. शीलाङ्काचार्य			१६०२	मध्यम	१०। × ४।।

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५३९७	कथासङ्ग्रह	१८	सं.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५३९८	१. सूत्रकृतांगसूत्र	१-५२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,२१०		१६५३	,,	१०। × ४।।
	२. सूत्रकृतांगसूत्र निर्युक्ति	५२-५८	,,	भद्रबाहुस्वामि	गा. २०८				
१५३९९	सूत्रकृतांगसूत्र दीपिका[1]	१८७	सं.	हर्षकुलगणि	६,९००	१५८३	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५४००	सूत्रकृतांगसूत्र वृत्ति[2]	३७८	,,	शीलाङ्काचार्य	१३,८५०		१६४७	,,	१०। × ४।।
१५४०१	सूत्रकृतांगसूत्र	५०	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,२००		१५५५	,,	१०।। × ४।
१५४०२	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध	३६	,,	सुधर्मास्वामि			१६७१	,,	१०। × ४।।
१५४०३	सूत्रकृतांगसूत्र	४३	,,	सुधर्मास्वामि	२,२००		१७२१	,,	१०।। × ४।।
१५४०४	सूत्रकृतांगसूत्र दीपिकासह पञ्चपाठ	१०७	प्रा.सं.	टी. हर्षकुलगणि	६,९०० दी.	१५८३	१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५४०५	स्थानांगसूत्र बालावबोध सह ,,	२७३	प्रा.गु.		१५,००१		१६६६	जीर्ण	१०।।। × ४।।।
१५४०६	स्थानांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध बालावबोध	७७	,,	बा. नाकर मुनि			१७०७	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५४०७	स्थानांगसूत्र द्वितीय श्रुतस्कन्ध बालावबोध पञ्चपाठ	५९	,,	बा. पार्श्वचन्द्र			१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५४०८	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्धदीपिका	८८	सं.	हर्षकुलगणि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५४०९	सूत्रकृतांगसूत्र द्वितीयश्रुतस्कन्धदीपिका	६८	,,	हर्षकुलगणि	७,०००	१५८३	,,	,,	१०।। × ४।।
१५४१०	सूत्रकृतांगसूत्र	४२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	२,१००		,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५४११	सूत्रकृतांगसूत्र द्वितीय० बाला० सह पञ्चपाठ	१०	प्रा.गु.	बा. पार्श्वचन्द्र			,,	,,	१०। × ४।।।
१५४१२	सूत्रकृतांगसूत्रवृत्ति[3]	३०७	सं.	शीलाङ्काचार्य	१३,८५०		,,	,,	१०। × ४।।
१५४१३	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध बाला०सह पञ्च	५१	प्रा.गु.	बा. पार्श्वचन्द्र	४,५००		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५४१४	सूत्रकृतांगसूत्र द्वितीय श्रुतस्कन्ध बाला०सह[4]	७५	,,	बा. पार्श्वचन्द्र			१७२१	जीर्णप्राय	१०। × ४।।
१५४१५	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध सस्तबक	४७	,,		२,५२५		१८मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५४१६	१. सूत्रकृतांगसूत्र	१-५१	प्रा.		२,२१०		१७मो	,,	१०। × ४।।
	२. सूत्रकृतांगसूत्र निर्युक्ति	५१-५७		२. भद्रबाहुस्वामि	गा. २०८				
१५४१७	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कन्ध बाला० सह त्रिपाठ	८६	प्रा.गु.	बा. नाकर मुनि			१६९७	,,	१०।। × ४।।।
१५४१८	सूत्रकृतांगसूत्र वीर्याध्ययन	२	प्रा.				१६मो	,,	१०। × ४।।
१५४१९	भगवतीसूत्र बीजक	१८	,,		४९०		१७६२	,,	१०। × ४
१५४२०	स्थानांगसूत्र	८०	,,	सुधर्मास्वामि	३,६००		१५५९	जीर्ण	१०। × ४।।

१. पद्य ६७-६८ भेगां छे. प्रति शुद्ध करेली छे. ग्रन्थकारनी प्रशस्ति नथी. २. प्रति शुद्ध करेली छे. ३. पत्र ८७-८८ भेगां छे. ४. पत्र ५२ मुं नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५४२१	स्थानांगसूत्र[१]	१०२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	३,७५०		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।
१५४२२	स्थानांगसूत्र[२]	१४२	,,	सुधर्मास्वामि	३,७५०		,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५४२३	स्थानांगसूत्र वृत्ति अपूर्ण	४०	सं.	अभयदेवसूरि		११२०	,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५४२४	स्थानांगसूत्र सटीक पञ्चपाठ[३]	४३९	प्रा.सं.	मू.सुधर्मास्वामि टी.अभयदेवसूरि	१७,८५०, टी.	११२०	,,	,,	१०। × ४।।
१५४२५	सूत्रकृतांगसूत्र सस्तबक[४]	१५८	प्रा.गु.		मू. २,१००		१८०२	,,	१० × ४।।।
१५४२६	समवायांगसूत्र	५६	प्रा.	मू. सुधर्मास्वामि	१,६६७		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५४२७	समवायांगसूत्र[५]	६४	,,	मू. सुधर्मास्वामि	१,६६७		,,	,,	१०।। × ४।
१५४२८	स्थानांगसूत्र[६]	९९	,,	मू. सुधर्मास्वामि	३,७५०		,,	,,	१०।। × ४।।
१५४२९	समवायांगसूत्र वृत्ति[७]	८३	सं.	अभयदेवसूरि	३,७७५	११२०	,,	,,	१०।। × ४।।
१५४३०	समवायांगसूत्र	५३	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१,६७०		१६६९	,,	१०। × ४।।।
१५४३१	स्थानांगसूत्र अपूर्ण[८]	१५०	,,	सुधर्मास्वामि	३,६००		१७मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५४३२	स्थानांगसूत्र[९]	९८	,,	सुधर्मास्वामि	३,७५०		१६१०	,,	१०। × ४।।
१५४३३	स्थानांगसूत्र वृत्ति	३१६	सं.	अभयदेवसूरि	१४,२५०	११२०	१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५४३४	स्थानांगसूत्र वृत्ति[१०]	३११	,,	अभयदेवसूरि	१४,२५०	११२०	,,	,,	१०। × ४।।
१५४३५	स्थानांगसूत्र वृत्ति[११]	३७६	,,	अभयदेवसूरि	१४,२५०	११२०	,,	,,	१०। × ४।।
१५४३६	स्थानांगसूत्र वृत्ति[१२]	७८५	,,	अभयदेवसूरि	१४,२५०	११२०	,,	,,	१०। × ४।
१५४३७	भगवतीसूत्र	६५४	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१५,७५२		,,	,,	१०। × ४।।
१५४३८	भगवतीसूत्र सटीक त्रिपाठ[१३]	७७५	प्रा.सं.	टी. अभयदेवसूरि	३४,३६८ टी.	११२८	१५५९	,,	१० × ४।।
१५४३९	भगवतीसूत्र सस्तबक[१४]	९३८	प्रा.गु.	स्त. पद्मसुन्दर			१७५२	,,	९।।। × ४।
१५४४०	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र सस्तबक	८०	,,		२,४००		१९मो	,,	१०।। × ४।।।
१५४४१	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	२४	प्रा.	सुधर्मास्वामि	८००		१६११	जीर्णप्राय	१० × ४।।
१५४४२	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	३५	,,	सुधर्मास्वामि	८९०		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५४४३	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	१७	,,	सुधर्मास्वामि	८२५		,,	,,	१० ।। × ४।
१५४४४	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र[१५]	३०	,,	सुधर्मास्वामि	९००		,,	,,	१०।। × ४।।
१५४४५	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र[१६]	२-२१	,,	सुधर्मास्वामि	७९०		,,	मध्यम	१०। × ४।।।
१५४४६	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र[१७]	३२	,,	सुधर्मास्वामि			,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५४४७	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	२९	,,	सुधर्मास्वामि			,,	,,	१०।। × ४।।

१. प्रति उंदरे खाधेली छे. प्रथम पत्रमां परिकरयुक्त भगवाननुं चित्र छे. २. उंदरे खाधेली प्रति. ३. पत्र ३६९-३७० भेगां छे. ४. पत्र ५६मुं डबल छे अने ५९मुं नथी. ५. चित्रपृष्ठिका सह. ६. प्रति एक खूणेथी उंदरे खाधेली छे. ७. प्रति शुद्ध करेली छे. ८. पत्र ७३-७४ भेगां छे. ९. पत्र ७९मुं नथी. १०. प्रति खूणेथी उंदरे करडेली छे. ११. पत्र ३५५-३५६ भेगां छे. १२. प्रति शुद्ध छे पत्र ११४मुं त्रण छे. १३. पत्र ५४८-५४९ भेगां छे. १४. पत्र १९५मुं डबल छे अने २८९-२९० तथा ६४८-६४९ भेगां छे. १५. प्रति उधईए खाधेली छे. पत्र ११मुं नथी. १६. प्रथम पत्र नथी. १७. पत्र ५ थी ७ नथी.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५४४८	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	३४	प्रा.	सुधर्मास्वामि			१७मो	उत्तम	१० × ४।।
१५४४९	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	१९	,,	सुधर्मास्वामि	७९०		१६४९	,,	१०।। × ४।।
१५४५०	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	२४	,,	सुधर्मास्वामि	७९५		१६९२	,,	१०। × ४।।
१५४५१	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	२४	,,	सुधर्मास्वामि	९००		१७मो	मध्यम	१०।। × ४।
१५४५२	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	२९	,,	सुधर्मास्वामि			,,	उत्तम	१०।। × ४।
१५४५३	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	१९	,,	सुधर्मास्वामि	८५०		१५००	,,	१०। × ४।।
१५४५४	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र	८	,,	सुधर्मास्वामि			१६मो	,,	१०। × ४।।
१५४५५	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र	६	,,	सुधर्मास्वामि	१९२		१५८६	मध्यम	१०। × ४।।
१५४५६	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र	७	,,	सुधर्मास्वामि	२२९		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५४५७	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र	७	,,	सुधर्मास्वामि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५४५८	१. अन्तकृद्दशाङ्गसूत्रवृत्ति	१-५	सं.	अभयदेवसूरि			१७मो	उत्तम	१० × ४।
	२. अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र	५-७	प्रा.	सुधर्मास्वामि					
१५४५९	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ	६	प्रा.सं.	मू सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	मू. १९२		,,	,,	९।।। × ४।।
१५४६०	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र सटीक	६	,,	मू सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि			,,	,,	१०। × ४।।
१५४६१	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र सटीक	७	,,	मू सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	मू. १९२		,,	,,	१०।। × ४।।
१५४६२	अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र सटीक	७	,,	मू सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	मू. १९२		१६१६	,,	१०।। × ४।।
१५४६३	राजप्रश्नीयोपांगसूत्र	७७	प्रा.		२,१००		१७१०	,,	१०।। × ४।।
१५४६४	विपाकसूत्र	३०	,,	सुधर्मास्वामि	१,३१६		१७मो	जीर्णप्राय	१०।।। × ४।
१५४६५	विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ	४७	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	२,३५०		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५४६६	विपाकसूत्र सटीक पञ्चपाठ	३४	,,	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	मू. १,२१६		१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५४६७	विपाकसूत्र	४१	प्रा.	मू. सुधर्मास्वामि			१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५४६८	विपाकसूत्र अपूर्ण	१४	,,	मू. सुधर्मास्वामि			१५मो	,,	१०।। × ४।।
१५४६९	विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ	४२	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	२,४००		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।
१५४७०	विपाकसूत्र सटीक पञ्चपाठ	६२	,,	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	२,३५०		,,	,,	१०।। × ४।।
१५४७१	विपाकसूत्र	५३	प्रा.	मू. सुधर्मास्वामि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५४७२	राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र[१]	४५	,,		२,१००		१६४०	,,	१०।। × ४।।

१. प्रति शुद्ध छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५४७३	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्रवृत्ति	१०३	सं.	अभयदेवसूरि	४६३०		१७मो	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१५४७४	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्रवृत्ति	१११	,,	अभयदेवसूरि	४,६३०		,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५४७५	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र	२२	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१,३७५		,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५४७६	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ[1]	८१	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	५,८८०		,,	मध्यम	१० × ४।।
१५४७७	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ	९६	,,	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	५,८८०		१६५६	उत्तम	१०। × ४।।
१५४७८	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र टिप्पणी सह	३३	,,	मू. सुधर्मास्वामि	१,२५०		१६७४	,,	१०।। × ४।।
१५४७९	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र	४६	,,	मू. सुधर्मास्वामि	१२५०		१७मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५४८०	विपाकसूत्र	४८	,,	मू. सुधर्मास्वामि	१२५०		,,	,,	१०। × ४।।
१५४८१	गौतमपृच्छावृत्तिसह त्रिपाठ	३८	प्रा.सं.	वृ. अमृतसागर	३,८००		,,	,,	१० × ४।।
१५४८२	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र सटीक पञ्चपाठ[2]	१११	,,	मू. सुधर्मास्वामि, टी. अभयदेवसूरि	५,८८०		१६६९	,,	१०। × ४।।
१५४८३	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र	२३	प्रा.	मू. सुधर्मास्वामि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५४८४	अनुत्तरौपपातिकसूत्र सटीक पञ्चपाठ	१०	प्रा.सं.	टी. अभयदेवसूरि	१९२		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५४८५	विपाकसूत्र	३५	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१,२१६		१६६८	,,	१०। × ४।।
१५४८६	विपाकसूत्र	३७	,,	सुधर्मास्वामि	१,२१६		१६९२	,,	१० × ४।।
१५४८७	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाठ[3]	१०८	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	५,८८०		१७मो	,,	१० × ४।।
१५४८८	प्रश्नव्याकरणाङ्गसूत्र	३४	प्रा.	मू. सुधर्मास्वामि	१,२२५		,,	,,	१०। × ४।।
१५४८९	विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ	६६	प्रा.सं.	मू. सुधर्मास्वामि टी. अभयदेवसूरि	२,३५०		,,	मध्यम	१० × ४।।
१५४९०	प्रश्नव्याकरणांगसूत्र सस्तबक अपूर्ण[4]	११४	प्रा.गु.	मू. सुधर्मास्वामि			,,	,,	९।।। × ४।।
१५४९१	कल्पसूत्र बालावबोध सह (खेमसाई)	१७४	,,	बा. क्षेमविजय	बा. १७०७		१७५६	,,	१०।।। × ४।।।
१५४९२	औपपातिकसूत्र[5]	४४	प्रा.	सुधर्मास्वामि	१,२५०		१७मो	जीर्णप्राय	१०।।। × ४।।
१५४९३	कल्पसूत्र सस्तबक	१६०	प्रा.गु.				१८०८	मध्यम	११ × ४।।।
१५४९४	राजप्रश्नीयोपांगसूत्रवृत्ति	८१	सं.	मलयगिरि	३,६५०		१५०३	अतिजीर्ण	१०।।। × ४।।
१५४९५	उत्तराध्ययनसूत्र दीपिकासह पञ्चपाठ	१६०	प्रा.सं.		टी. ८,६७०		१६५१	उत्तम	१०।।। × ४।।
१५४९६	कल्पसूत्र बालावबोध सह (खेमसाई)[6]	२-१३९	प्रा.गु.	बा. क्षेमविजय		बा. १७०७	१७४३	,,	१०।। × ४।।
१५४९७	कल्पसूत्र सस्तबक	१६१	,,	मू. भद्रबाहुस्वामि	७,०००		१७६६	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
१५४९८	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिसूत्र	९९	प्रा.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।।
१५४९९	उत्तराध्ययनसूत्रकथा बाला० २५ अध्ययनपर्यन्त	१५३	गु.		६,०००		१७७२	,,	१०। × ४।।

१. पत्र ४६मुं डबल छे. २. सुन्दर चित्रपृष्ठिका सह. ३. प्रति शुद्ध छे. ४. पत्र ५४मुं डबल छे. ५. पत्र १३ चार छे. ६. प्रथम पत्र नथी.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५५००	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिसूत्र सटीक त्रिपाठ	४५४	प्रा.सं.	टी. हीरविजयसूरि	१८,३९८		१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५५०१	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक	२७०	,,	टी. नेमिचन्द्रसूरि	१४,०००		,,	,,	१०। × ४।।
१५५०२	१. षोडशकप्रकरण }	१-१६	सं.	१. हरिभद्रसूरि	२९६		१८मो	,,	१०। × ४।।।
	२. षोडशकप्रकरण वृत्ति }	१६-२२	,,	२. यशोभद्रसूरि					
१५५०३	श्राद्धगुणविवरण	६१	सं.	जिनमण्डनगणि	२,२२५	१४९८	१५२२	,,	१०। × ४।।।
१५५०४	नवतत्त्वप्रकरणबालावबोध	३०	गु.				१६०१	,,	१० × ४।।।
१५५०५	नवतत्त्वप्रकरणबालावबोध भाष्यटीकासह	८८	सं.	मू. देवभद्रसूरि, भा. अभयदेवसूरि टी. यशोदेवोपाध्याय	२,४००		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५५०६	विशेषावश्यकसूत्रमहाभाष्य	७६	प्रा.	जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण	गा. ३,६२२		१७०५	,,	१०। × ४।।
१५५०७	नवतत्त्वविचार विवरणसह	८४	गु.		३,०००		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५५०८	काव्यकल्पलता स्वोपज्ञवृत्ति	५२	सं.	अमरचन्द्रसूरि	३,३५७		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५५०९	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक[१]	४०६	प्रा.सं.	टी. भावविजय	१४,२५५	टी.१६७९	१७मो	,,	१०। × ४।।
१५५१०	उत्तराध्ययनसूत्र सावचूरि[२]	१७०	प्रा.सं.गु				,,	,,	१०।। × ४।।
१५५११	उत्तराध्ययनसूत्र बृहद्वृत्ति-पाइअटीका	४८१	सं.				१६६५	,,	१०। × ४।।
१५५१२	उत्तराध्ययनसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ[३]	११०	प्रा.सं.				१६०८	,,	१०। × ४।।
१५५१३	कल्पान्तर्वाच्य	५८	सं.				१६६५	मध्यम	१०। × ४।।
१५५१४	उत्तराध्ययनसूत्र सावचूरि त्रिपाठ	१०३	प्रा.सं.		९७३५		१५३३	मध्यम	१०। × ४।।
१५५१५	उत्तराध्ययनसूत्र सावचूरि कथाओ[४]	८९	सं.	पद्मसागरगणि		१६५७	१८मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५५१६	उत्तराध्ययनसूत्र[५]	७६	प्रा.		२,१००		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५५१७	उत्तराध्ययनसूत्र[६]	५८	,,				,,	,,	१०। × ४।।
१५५१८	उत्तराध्ययनसूत्र	३५	,,				,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५५१९	उपदेशचिन्तामणिबालावबोध	५२	गु.				१५८४	,,	१०। × ४।।
१५५२०	श्रीचन्द्रचरित्र पद्य	८५	सं.	सिद्धर्षि	३,२९६	५९८	१८मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५५२१	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति-अर्थदीपिका	१५९	,,	रत्नशेखरसूरि	६,६४४	१४९६	१६४९	,,	१०। × ४।।
१५५२२	उत्तराध्ययनकथाओ २२ अध्ययनपर्यन्त	४९	,,		१,३५०		१५९६	,,	१०। × ४।।
१५५२३	कल्पान्तर्वाच्य[७]	७५	,,				१५४६	,,	१०। × ४।।
१५५२४	स्याद्वादमञ्जरी	५८	,,	मल्लिषेणसूरि	३,०००	१३४९	१६१४	,,	१०। × ४।।

१. पत्र ३१-३२ भेगां अने ३८९मुं डबल छे. २. अक्षरार्थरूप अवचूरि. ३. पत्र १०१ अने १०४मुं नथी. ४. प्रति एक बाजुथी उंदरे करडेली छे. ५. पत्र ३४मुं डवलछे.
६. प्रथम द्वितीय पत्रमां महावीर तथा गौतमस्वामीनां सुन्दर चित्र छे. ७. पत्र ६ठ्ठुं ८ थी १२, १६ थी १८, २१ थी २३ अने ६७ थी ७४ नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५५२५	कल्पसूत्र	४९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	१,२१६		१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५५२६	उत्तराध्ययनसूत्र	७१	,,				१५८४	,,	१०। × ४।।
१५५२७	उत्तराध्ययनसूत्र कथाओ१६ अध्ययनपर्यन्त[1]	१०३	सं.				१८मो	,,	९।।। × ४।
१५५२८	शान्तिनाथचरित्रमहाकाव्य[2]	१०९	,,	अजितप्रभसूरि	३,९११		१५७६	अति जीर्ण	१०।।। × ४।।
१५५२९	कल्पसूत्र टिप्पणीसह त्रिपाठ[3]	९१	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	१,२१६		१६मो	जीर्ण	१०।।। × ४।।
१५५३०	गुरुस्वाध्याय	२	गु.	मानसागर	गा.१६		१८मो	मध्यम	१०।।। × ४।।
१५५३१	१. शाश्वतजिनप्रतिमासंख्या २. गहुंलीसङ्ग्रह	४					,,	उत्तम	११ × ४।।
१५५३२	योगयन्त्र	३	,,				१७मो	,,	१०।।। × ४।।
१५५३३	अभिधानचिन्तामणिनाममाला सावचूरि पञ्चपाठ	२८	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य			१६मो	,,	१०।।। × ४।।
१५५३४	प्रायश्चित्तदानविधि	८	सं.				१७मो	,,	११ × ४।।।
१५५३५	चैत्यवन्दनस्तोत्रद्वय	४	,,	का १०अने	२४		,,	,,	९।। × ४।
१५५३६	महाबलराजकुमारादिकथासंग्रह	८	प्रा.सं.				,,	,,	१०।। × ४।
१५५३७	१. छन्दोलक्षण २. श्रुतबोध	५	सं.	१. वररुचि २. कालिदास			१६४०	,,	१०। × ४।
१५५३८	सप्तपदार्थीसूत्र	३	,,				१५११	,,	११ × ४।।
१५५३९	अतीत-अनागतादितीर्थङ्करनामावलि	१०	गु.				१७मो	,,	११ × ४।।।
१५५४०	ग्रहभावप्रकाश अपूर्ण	१	सं				,,	मध्यम	११ × ४।।
१५५४१	सुजसविलासगत पदसङ्ग्रह	४	गु.	उपा. यशोविजयजी			,,	उत्तम	११ × ४।।
१५५४२	१. उपधानविधिस्तवन २. समेतशिखरस्तवन	२ २	,, ,,	१. विनयविजय २. ऋद्धिहर्ष	गा.२४ गा.७		,,	,,	१०।।। × ४।।
१५५४३	दिनकृत्य	८-२९	,,	,,				,,	१०।।। × ४।।
१५५४४	भवभावनाप्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ	२४	प्रा.सं.	मू. मलधारी हेमचन्द्रसूरि			,,	,,	१०।।। × ४।।
१५५४५	लिङ्गानुशासन सावचूरि पञ्चपाठ	१०	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य			,,	,,	१०। × ४।।
१५५४६	आलोचनाविधि	४	गु.				,,	मध्यम	१०।।। × ४।।।
१५५४७	सम्यक्त्वस्तव	१	प्रा.सं.				,,	जीर्णप्राय	१०।।। × ४।।।

१. सुन्दर चित्रपृष्ठिकासह. २. प्रति उधईए खाधेली छे. प्रथम द्वितीय पत्रमां चित्र छे. ३. चित्रपृष्ठिकासह.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५५४८	कालशतकप्रकरण टिप्पणीसह	३	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा १००		१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५५४९	गजसुकुमालरास	६	गु.	शुभवर्धनशिष्य	गा. ८६		१७६२	,,	१०॥ × ४॥
१५५५०	१. पञ्चानुष्ठानपचीसी २. रात्रिभोजनस्वाध्याय	४	,,	१. मणिचन्द्र	गा. २५ गा. १२		१७मो	,,	१०॥। × ४॥।
१५५५१	विवेकमञ्जरीप्रकरण	११	प्रा.	आसड	गा. १४४	१२७८	१५मो	,,	१०। × ४।
१५५५२	संस्तारकप्रकीर्णक बालावबोधसह	३२	प्रा.गु.	बा. समरचन्द्र		१६०३	१६०४	,,	१०। × ४॥
१५५५३	भुवनदीपक बालावबोधसह	१७	सं.गु.	मू. पद्मप्रभसूरि			१८४२	,,	१०। × ४॥
१५५५४	खण्डप्रशस्तिकाव्य	५	सं.		का. १४३		१६मो	जीर्ण	१०। × ४॥
१५५५५	साधुअतिचार	५	गु.				१७मो	उत्तम	१०। × ४॥
१५५५६	साधुवन्दना	५	,,	पार्श्वचन्द्रजी	गा. ८८		,,	,,	१०। × ४॥
१५५५७	वासुपूज्यजिनपुण्यप्रकाशस्तवन	२६	,,	सकलचन्द्र	गा.४३७, ग्रं५१०		,,	,,	१०। × ४॥
१५५५८	सिद्धान्तषट्त्रिंशिका	१४	,,		७५७		,,	,,	१०। × ४॥
१५५५९	चम्पकसेनरास	१४	,,	मतिसागर	गा.३८८	१६०५	१६४८	,,	१०। × ४॥
१५५६०	१. जिनदासश्रेष्ठिस्वाध्याय २. शान्तिनाथस्तवन	२	,,	१. गुणहर्षशिष्य २. ऋद्धिकीर्ति			१९मो	,,	१०। × ४॥
१५५६१	सिद्धचक्रनमस्कार	२	,,	ज्ञानविमलसूरि	का.२२		१८मो	,,	१०। × ४॥
१५५६२	ऋषिदत्तास्वाध्याय	२	,,	सुमतिमाणिक्य	गा. ६५		१६५७	,,	१०। × ४॥
१५५६३	भावनासन्धि	२	प्रा.	जयदेवमुनि	गा. ६२		१६मो	उत्तम	१० × ४॥
१५५६४	चतुर्विंशतिजिनस्तवन	१	सं.	शिवनिधान	९		१८मो	,,	१०। × ४॥
१५५६५	जीवविचारप्रकरण	५	प्रा.	शान्तिसूरि	गा. ५१		१७मो	जीर्णप्राय	९॥ × ४॥
१५५६६	१. साधुप्रतिक्रमणसूत्र २. पच्चक्खाण	३	,,				१६मो	उत्तम	१०। × ४॥
१५५६७	नवतत्त्वप्रकरण	३			गा. ४१		१७मो	,,	१०। × ४॥।
१५५६८	अन्तर्दशाफल	२	सं.		गा.७६		१५९२	,,	१०। × ४॥
१५५६९	विचारषट्त्रिंशिका स्वोपज्ञअवचूरि सह पञ्चपाठ	३	प्रा.सं.	गजसार			१७मो	,,	१० × ४॥
१५५७०	पुण्यकुलक	२	प्रा.		गा.१०		१८मो	,,	९। × ४।
१५५७१	शब्दप्रभेदप्रकाश	९	सं.	महेश्वरसूरि			१६मो	,,	९॥ × ४॥

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५५७२	इन्द्रियपराजयशतक	६	प्रा.		गा. १०१		१७मो	उत्तम	९।। × ४।
१५५७३	पञ्चपरमेष्ठिस्तव स्वोपज्ञटीका सह पञ्चपाठ	३	सं.	जिनकीर्तिसूरि			१५०२	,,	१०।। × ४।।।
१५५७४	१. पौषधग्रहणादि अनेकविचार २. उपधानप्रतिष्ठाविधि पञ्चाशकादि[1]	१३	प्रा.				१६मो	,,	९।। × ४।।
१५५७५	सूक्तिमुक्तावली	३	सं.		का.१५२		१७मो	,,	१० × ४।।
१५५७६	शोभनस्तुति सावचूरि पञ्चपाठ	२–७	,,	मू. शोभनमुनि			१६२४	,,	१०।। × ४।।
१५५७७	भक्तामरस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	४	,,	मू. मानतुङ्गसूरि	का. ४४		१५२५	,,	१०। × ४।।
१५५७८	भक्तामरस्तोत्र सावचूरि त्रिपाठ	४	,,	मू. मानतुङ्गसूरि	का. ४४		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५५७९	शाश्वतजिनस्तव सावचूरि पञ्चपाठ	१	प्रा.सं.	मू. देवेन्द्रसूरि	मू.गा. २४		,,	,,	१०। × ४।
१५५८०	सम्यक्त्वस्वरूपादि	१	,,				१६मो	,,	१०। × ४।।
१५५८१	देवाःप्रभोस्तव सावचूरि पञ्चपाठ	२	सं.	मू. तपागच्छीय जयानन्दसूरि अव. विवेकसागरशिष्य			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५५८२	चतुःशरणप्रकीर्णक बाला०सह	६	प्रा.गु.				१६९८	,,	१०।। × ४।।
१५५८३	१. भक्तामरस्तोत्र २. तिजयपहुत्तस्तोत्र ३. कल्याणमन्दिरस्तोत्र ४. ऋषभपञ्चाशिकास्तोत्र	७	,,				१६मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५५८४	देवाःप्रभो स्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	१	सं.	मू. तपागच्छीय जयानन्दसूरि			१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५५८५	१. प्रभुजीरिकापल्लिस्तोत्र सावचूरि २. विचारसप्ततिका सावचूरि पञ्चपाठ	९		१. मू. महेन्द्रसूरि			१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५५८६	खरतरसामाचारी[2]	२७	प्रा.सं.		१,५००		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५५८७	स्तवनचोवीसी[3]	७	गु.	माणिक्यविजय			१८मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५५८८	लीलावतीरास	१५	,,	उदयरत्न		१७६७	,,	,,	१०।। × ४।।।
१५५८९	चतुःशरणप्रकीर्णक	८	प्रा.	वीरभद्रगणि	गा.६३		१९मो	,,	१०। × ४।।
१५५९०	प्रदेशीराजरास	७	गु.	जयमङ्ल(?)	गा.२१०		१८मो	,,	१०। × ४।।
१५५९१	भगवतीसूत्रना गमा यंत्रसह	४८	,,				१८०५	,,	१०। × ४।।
१५५९२	पञ्चभावभास	५	,,	देवचन्द्र			१९मो	,,	१० × ४।।

१. पत्र १ थी ६ नथी. २. अलभ्य ३. कविए स्वहस्ते लखेली प्रति.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५५९३	१. स्तुतिचोवीसी २. स्तवनचोवीसी ३. एकादशगणधरस्तवन	१३	गु.	२. नन्दसूरि ३. ज्ञानविमलसूरि			१९मो	उत्तम	१० × ४।।
१५५९४	षट्त्रिंशत् उत्तराध्ययनस्वाध्याय	२२	,,	वाचक उदयविजय			१७३२	,,	९।।। × ४।।
१५५९५	जिनगीत वीसी	८	,,	वाचक उदयविजय			१७४०	जीर्णप्राय	१०। × ४।।
१५५९६	आषाढभूतिचतुष्पदिका	१३	,,	ज्ञानसागर	३५१	१७२४	१९मो	उत्तम	१० × ४।।
१५५९७	चतुर्विंशतिजिनचोवीसी	११	,,	मुनिविमलोपाध्याय			१७१०	,,	१० × ४।।
१५५९८	शंखेश्वरपार्श्वजिनराजगीता	३	,,	वाचक उदयविजय	गा.२६		१८मो	,,	८।। × ४।
१५५९९	पञ्चमीस्तवन	३	,,	समयसुन्दर			१९मो	,,	१० × ४।।
१५६००	सीमन्धरजिन विज्ञप्तिरूप ३५० गाथानुं स्तवन	१८	,,	उपा. यशोविजयजी	गा. ३५०		,,	,,	१०। × ४।।।
१५६०१	पञ्चभावभास	६	,,	देवचन्द्र			१७९१	,,	१० × ४।।
१५६०२	ज्योतिषसारसङ्ग्रह टिप्पणीसह आदि[1]	१३	सं.		ज्यो.१०९		१६मो	,,	१०। × ३।।
१५६०३	ब्रह्मचर्यदशसमाधिस्थानकुलक	३	गु.	पार्श्वचन्द्र			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५६०४	जम्बूस्वामिचतुष्पदी	७	,,		गा. १६७	१५२२		,, जीर्ण	१० × ४।।
१५६०५	फलवर्धिमण्डनपार्श्वजिनस्तवन	४	,,	कुशलहर्ष	गा.६८		१७६३	उत्तम	१० × ४।।
१५६०६	नन्दबत्रीसीचतुष्पदी	८	,,	ज्ञानशील	गा. १५२	१५००	१७मो	,,	१० × ४।।
१५६०७	१. रत्नचूडवहेवारीरास	१-९	,,	रत्नसूरिशिष्य		१५७१			
	२. कलावतीरास	९-१२	,,	सकलचन्द्र	गा. ७२				
	३ धन्यचरित्ररास-सुपात्रदाने	१२-२३	,,	मतिशेखर	गा. ३३०	१५१४	१६६४	,,	१० × ४।।
	४. वसुदेवकुमार प्रबन्ध	२३-३४	,,	कुलचरण	गा.३६५, ग्रं.५६९	१५५७		,,	,,
	५.सुरप्रियरास	३४-४०	,,	लावण्यसमय	गा. २००	१५६७			
१५६०८	लवकुशरास	४०	,,	राजसागर	९००	१६७२	१८मो	,,	९।।। × ४।।
१५६०९	विमलमन्त्रीरास[2]	२-४०	,,	लावण्यसमय	गा. १३५६	१५६८	१६८१	,,	९।।। × ४।।
१५६१०	शंखेश्वरपार्श्वनाथस्तवन	४	,,	पुण्यप्रभ		१७९७	१९मो	,,	९।।। × ४।।
१५६११	कल्पसूत्रव्याख्यानभास	११	,,	आनन्दमेल	२४१		१८मो.	,,	९।।। × ४।
१५६१२	प्रतिमास्थापनगर्भित वीरजिन १५०गाथानुं स्तवन सम्पूर्ण	८	गु.	उपा. यशोविजयजी	गा. १५०		२०मो	उत्तम	९।।। × ४।।
१५६१३	प्रियङ्करनरेन्द्रचतुष्पदी	१८	,,	गुणविजयगणि		१६७८	१७४०	उत्तम	९।।। × ४।।

१. पत्र ३जुं नथी २. पथम पत्र नथी.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५६१४	साधुवन्दना[१]	२४	,,	समयसुन्दरगणि	गा. ५९१, ग्रं.७५०	१६९७	१८मो	,,	९।।। × ४।
१५६१५	१. वीस असमाधिस्थानकस्वाध्याय	२४	,,	जिनहर्ष (सर्वना)			१९मो	उत्तम	९।।। × ४।।
	२. एकवीस सबलास्वाध्याय								
	३. ओगुणत्रीस पापश्रुतस्थानकस्वाध्याय								
	४. त्रीस मोहनीयस्थानकस्वाध्याय								
	५. सिद्ध एकत्रीसगुणस्तवन								
	६. बत्रीसयोगसङ्ग्रहस्वाध्याय								
१५६१६	सकलचन्द्रकृत स्तवन-सज्झायसङ्ग्रह	२२	,,				१६६५	,,	१० × ४।
१५६१७	आत्मप्रतिबोध	५	,,	वाचक नयनसुन्दर	गा. ८२		१७मो	,,	१० × ४।।
१५६१८	चतुर्विंशतिजिनस्तवनचोवीसी	१२	,,	जिनविजय, क्षमाविजय			१९मो	,,	९।।। × ४।।।
१५६१९	रत्नचूडमुनिरास	२२	,,	जिनहर्ष	गा. ६२७, ग्रं ८९७		,,	,,	९।। × ४।।
१५६२०	महावीरस्वामिछन्द	२	,,	जिनहर्ष	गा. ३७		,,	,,	९।। × ४।
१५६२१	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक	२१	प्रा.गु.		५२०		१७१६	,,	९।। × ४।।
१५६२२	बन्धस्वामित्व-प्रथमकर्मग्रन्थ सस्तबक	२१	,,	मू. देवेन्द्रसूरि, स्त. यशःसोम			१७५५	,,	९।। × ४।
१५६२३	जीवविचारप्रकरण सस्तबक अपूर्ण[२]	११	,,	मू. शान्तिसूरि			१८मो	जीर्ण	९।। × ४।
१५६२४	अमरसेन-वयरसेनचतुष्पदी	११	गु.	उपा. राजशील	गा. २६३	१५९४	१७मो	उत्तम	९। × ४।
१५६२५	बारआराचतुष्पदी	१०	,,	सकलकीर्तिशिष्य	गा. २१०		१७३४	,,	९।। × ४।।
१५६२६	वासुदेवशीलोत्पाटनआदिस्वरूप	८	प्रा.				१८मो	,,	९।। × ४।।
१५६२७	पार्श्वनाथछन्द	७	गु.	मावजी	गा.१०१		१७६०	,,	९।। × ४।
१५६२८	स्नात्रविधि	८	,,				१७४६	,,	९।। × ४।
१५६२९	श्रावकातिचार	४	,,		१५५		१७५४	,,	९।। × ४।
१५६३०	शान्तिनाथस्तवन कुमरगिरिमण्डन	५	,,	लक्ष्मीमूर्ति	गा.७०		१८मो	जीर्णप्राय	९ × ४।।
१५६३१	रागमाला शान्तिस्तोत्र	३	,,	सहजविमल	गा. ३०		१९मो	उत्तम	९।। × ४।
१५६३२	अमरदत्त-मित्राणन्दरास	१८	,,	देवगुप्तशिष्य	गा. २५१		१६७६	,,	९।। × ४।।।
१५६३३	श्रीपालरास	१३	,,	ज्ञानसागर	गा. ३२१	१५३१	१७५९	,,	९।। × ४।।
१५६३४	१. नेमिनाथ रागमाला	३	,,	१. दर्शनविजय	गा.६१	ने.१६६४	१७३०	,,	९। × ४।
	२. वीरपरिवारसज्झाय	,,		२. विद्याचन्द्र	गा. ६				

१. प्रति उधईए खाधेली छे. २. प्रति एक खूणेथी उंदरे करडेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५६३५	ऋषिदत्तारास[1]	२०	,,	जिनहर्ष	गा. ४५७	१७४९	१७४९	,,	९ × ४।
१५६३६	शालिभद्रचतुष्पदी	२२	गु.	मतिसार		१६७८	१९मो	मध्यम	९। × ४।
१५६३७	आत्मावबोधकुलक	२	प्रा.	जयशेखरसूरि	गा.४३		१८मो	उत्तम	९। ×·४।।
१५६३८	स्थूलभद्रस्वाध्याय	३	गु.	ज्ञानसागर			१७४४	,,	८।।। × ४।
१५६३९	धना-शालिभद्रचतुष्पदी	१३	,,	साधुहंस			१५९५	मध्यम	९ × ४।।
१५६४०	सुभाषित	५	सं.गु.		२२१	१४५५	१८मो	उत्तम	९।। × ४।
१५६४१	सर्वोत्तमस्तोत्र	२	सं.	अग्निकुमार	३५		,,	जीर्णप्राय	९। × ४।
१५६४२	संवेगरसचन्द्रावला	७	गु.	लींबो कवि	गा. ४९		,,	उत्तम	९।। × ४।
१५६४३	ज्ञातासूत्रस्वाध्याय	१९	,,	जिनहर्ष	गा.४८६	१७३६	१७३६	,,	९। × ४।
१५६४४	१. गोडीपार्श्वनाथछन्द			१. धर्मसिह	गा. २९				
	२. पार्श्वनाथलघुस्वन			२. समयसुन्दर	गा. ८				
	३. पार्श्वनाथदेशांतरीछन्द			३. सारङ्गकवि	गा. २९		१८मो	,,	९।। × ४।
	४. ईर्यावहिसज्झाय	९	,,		गा. २५				
	५. प्रकीर्णकज्योतिषसङ्ग्रह								
	६. पासाकेवली								
१५६४५	सीमन्धरस्वामिविज्ञप्तिरूप ३५० गाथानुं स्तवन	३१	,,	उपा. यशोविजयजी	गा. ३५०		,,	,,	९। × ४।।
१५६४६	१. नवतत्त्वचोपाई २. पुद्गलपरावर्तविचार	३१	,,	१. भावसागरसूरिशिष्य		१७७५	,,	,,	९। × ४।
१५६४७	आचाराङ्गसूत्र निर्युक्ति	१६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा. ३६८, ग्रं.४५०		१७६९	,,	९। × ४।
१५६४८	वसुदेवरास	४५	गु.	जिनहर्ष	गा. १,१६३	१७६२	१८मो	,,	१०। × ४।
१५६४९	नवतत्त्वविचार	९३	,,		३,०००		१९मो	,,	१०।।। × ५
१५६५०	श्रीचन्द्रकेवलीरास-आनन्दमन्दिररास	२५७	,,	ज्ञानविमलसूरि	२,३९४, ग्रं.६,७३९	१७७०	१७७२	,,	१०।। × ५
१५६५१	समरादित्यरास	२४१	,,	पद्मविजयगणि		१८३९	१८४४	,,	१०।। × ५
१५६५२	अंबडरास	५२	,,	भावप्रभसूरि		१७००	१८०३	,,	१०।। × ४।।।
१५६५३	नवकारमन्त्ररास	२८	,,	विजयरत्नसूरि	७८५	१७५५	१७७८	,,	१०।। × ४।।।
१५६५४	अष्टप्रकारीपूजाप्रबन्धरास	४१	,,	प्रेमविमलगणि	१,५००	१६५६	१८मो	मध्यम	१०।। × ४।।।
१५६५५	१. कर्मविपाक कर्मग्रन्थ			१. गर्गर्षि	१६८				

१.जिनहर्षगणिए स्वहस्ते लखेली प्रति.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
	२.कर्मस्तव कर्मग्रन्थ }	११	प्रा.		५७		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
	३. बन्धस्वामित्व कर्मग्रन्थ }				५४				
१५६५६	आगमसार	४६	गु.	देवचन्द्रजी	२,०००		१९मो	,,	१०। × ४।।
१५६५७	सुमतिनाथचरित्र[१]	२४३	प्रा.	सोमप्रभाचार्य	९,८२१		१८१४	,,	१०। × ४।।।
१५६५८	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक	२७४	प्रा.गु.				१८०१	,,	१०।। × ४।।
१५६५९	जम्बूस्वामिचरित्र सस्तबक	५३	प्रा.गु.	मू. पद्मसुन्दरोपाध्याय			१८०७	उत्तम	१०। × ४।।।
१५६६०	सम्बोधसप्ततिका सस्तबक	२५	,,	स्त. जयसोम			१९मो	मध्यम	१०। × ४।।।
१५६६१	देववन्दनादिभाष्यत्रय बालावबोधसह त्रिपाठ[२]	४१	,,	मू. देवेन्द्रसूरि, स्त. ज्ञानविमलसूरि	१५००	स्त.१७५८	१८२१	उत्तम	१०। × ४।।।
१५६६२	षडावश्यकसूत्र सस्तबक[३]	१४४	प्रा.सं.गु	स्त. जिनविजय		१७५१	१८३०	मध्यम	१०। × ४।।।
१५६६३	शोभनस्तुति सटीक[४]	७३	सं.	मू. शोभनमुनि, टी. जयविजय	२,३५०	टी. १७२३	१८मो	,,	१० × ४।
१५६६४	क्षेत्रसमासप्रकरण बालावबोधसह	९८	प्रा.गु.	मू. रत्नशेखरसूरि, बा. दयासिंहगणि	४,८६७		१७९९	उत्तम	१० × ४।।
१५६६५	योगशास्त्र बालावबोधसह अपूर्ण	६२	सं.गु.	मू. हेमचन्द्राचार्य, बा. सोमसुन्दरगणि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५६६६	उपदेशमालाप्रकरण सस्तबक[५]	१७२	प्रा.गु.	मू. धर्मदासगणि			१७२७	,,	९।।। × ४।।
१५६६७	शत्रुञ्जयमाहात्म्य	१९८	सं.	धनेश्वरसूरि			१७३९	,,	१०।।। × ५
१५६६८	वर्धमानदेशना प्राकृत गाथाबद्ध[६]	१४९	प्रा.	शुभवर्धन		१५५२	१७मो	मध्यम	१०।। × ४।।।
१५६६९	दशवैकालिकसूत्र	८	,,	शय्यम्भवसूरि	७००		१६मो	जीर्ण	१०।। × ४।।
१५६७०	कल्पान्तर्वाच्य	६-९२	सं.				१७मो	उत्तम	१०।। × ४।
१५६७१	कल्पसूत्र सुबोधिकाटीका सह त्रिपाठ	२१०	प्रा.सं.	टी. उपा. विनयविजयजी	उभय ६,६१६, टी. ५४००	टी. १६९६	१८२०	,,	१०।। × ४।।
१५६७२	गदनिग्रह	३५५	सं.	सोढल वैद्य	१२,४०८		१५४९	,,	१०।। × ४।।।
१५६७३	कातन्त्रव्याकरणचतुष्कवृत्तिटिप्पनिका गोल्हणटीका अपूर्ण	६३	,,	गोवर्धन पण्डित			१६मो	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
१५६७४	क्रियारत्नसमुच्चय	११८	,,	गुणरत्नसूरि	५,७७८	१४६६	१४७३	,,	१०।। × ४।।
१५६७५	शब्दप्रभेद टिप्पणीसह[७]	६	,,	महेश्वरसूरि			१६मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५६७६	शब्दसंचय सावचूरि पञ्चपाठ	२२	,,				१५०१	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५६७७	हेमविभ्रम सावचूरि पञ्चपाठ	३	,,	अव. गुणचन्द्रसूरि			१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५६७८	पञ्चदर्शनरहस्यवेदनोपनिषद् अपूर्ण[८]	१८८	,,				,,	,,	१०। × ४।।
१५६७९	सारस्वतव्याकरणदीपिकाख्या चन्द्रकीर्तिटीका	१०९	,,	चन्द्रकीर्तिसूरि	७,५००		१७३२	,,	१०। × ४।।

१. प्रति शुद्ध करेली छे. २. पत्र २३मुं डबल छे. ३. पत्र ११८मुं अने १२०मुं डबल छे. ४. प्रति चोंटेली छे. पत्र २५मुं नथी ५. पत्र ६६-६७ भेगां छे अने पत्र ९९मुं डबल छे ६. पत्र २जुं नथी ७. प्रति शुद्ध छे. ८. ४८ मा अध्यायना १८ मा श्लोक पर्यंत.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५६८०	सारस्वती प्रक्रिया	४२	सं.	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			१६७६	उत्तम	१०। × ४।।
१५६८१	वर्धमान इन्दु	७५	सं.				१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५६८२	लघुजातक सटीक	२०	,,	मू. वराहमिहिर, टी. भट्टोत्पल			१७६५	,,	१०।। × ४।।
१५६८३	क्रियारत्नसमुच्चय	८८	,,	गुणरत्नसूरि	५,७७८	१४६६	१५२७	,,	१०। × ४।।
१५६८४	अलङ्कारमहोदधि सावचूरि पञ्चपाठ अपूर्ण[१]	१८	,,	नरचन्द्रसूरि			१६मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५६८५	काव्यकल्पलता स्वोपज्ञवृत्तिसह	५०	,,	अमरचन्द्रसूरि	३,३५७		१५२२	उत्तम	१०।। × ४।।
१५६८६	योगसार	३	,,		२०६		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५६८७	मेघदूतमहाकाव्य	९		महाकवि कालिदास	का. १२४		१७मो	,,	१०। × ४।
१५६८८	प्रभावकचरित्र	१३१	,,	प्रभाचन्द्रसूरि	५,७७४	१३३४	१४३५	,,	१०।। × ४।।
१५६८९	शत्रुञ्जयमाहात्म्य द्वादशसर्गपर्यन्त	२१४	,,	धनेश्वरसूरि			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५६९०	सारस्वतव्याकरणदीपिका-चन्द्रकीर्तिटीका	१३१	,,	हर्षकीर्ति	७,००१		१७६१	,,	१०।। × ४।।।
१५६९१	भर्तृहरिशतकत्रय	२०	,,	भर्तृहरि			१८मो	,,	१०।। × ४।।।
१५६९२	अभिधानचिन्तामणिनाममाला सावचूरि पञ्चपाठ	१०९	,,	मू. हेमचन्द्राचार्य			मू.१६२७ अव१४४२	,,	१०।।। × ४।
१५६९३	सारस्वतप्रक्रियाव्याकरण	४०	,,	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			१८मो	,,	१०।। × ४।।।
१५६९४	अभिधानचिन्तामणिनाममाला साव. पञ्च.	४२	,,	मू. हेमचन्द्राचार्य	४,५००		१५२२	,,	१०। × ४।।
१५६९५	लीलावतीगणित अमृतसागरीटीका सह	३४	,,	मू. भास्कराचार्य, टी. गङ्गाधर			१६७९	,,	१०।। × ४।।
१५६९६	सूत्रकृताङ्गसूत्र सस्तबक	६६	प्रा.गु.	मू. सुधर्मास्वामि			१७२७	,,	१०।। × ४।।।
१५६९७	औष्ट्रिकमतोत्सूत्रप्रदीपिका	२४	सं.	धर्मसागरगणि		१६१७	१७मो	,,	११ × ४।।
१५६९८	पद्यकोश	८	,,				१८मो	,,	१०।। × ४।।।
१५६९९	मुग्धबोधसूत्र	५	,,				१६मो	,,	१०। × ४।।
१५७००	हरिबलचरित्र-प्रथमव्रतविषये	११	प्रा.		गा. ३६६		,,	जीर्ण	१०।।। × ४।।
१५७०१	श्रेणिकरास	९	गु.		गा. ३६८		१५२६	उत्तम	१०।। × ४।।
१५७०२	कुलध्वजरास[२]	२३	,,	कुशलसागर	गा. ७२४	१६४४	१८मो	,,	१०।।। × ४।
१५७०३	वज्रस्वामिरास	७	,,	सौभाग्यरत्नसूरि	गा. १०८		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५७०४	खन्धकमुनिचरित्ररास	६	,,	पार्श्वचन्द्र	गा. १०२		१६००	,,	१०।। × ४।

१. पत्र १२ नथी. २. प्रति एक खूणेथी उंदरे करडेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५७०५	सम्यक्त्वाध्ययनद्वितीयोद्देशकवृत्ति	५	सं.				१७मो	उत्तम	१०॥ X ४।
१५७०६	नलदमयन्तीचतुष्पदी	६६	गु.	समयसुन्दर	गा. ९४१	१६७३	१८मो	,,	१०॥ X ४।
१५७०७	चन्द्राननगीत	५	,,	लींबो कवि	गा. ४९		,,	,,	१०॥ X ४॥
१५७०८	१. सिन्दूरप्रकर }			१. सोमप्रभाचार्य	का. १००		१७मो	मध्यम	१०॥ X ४॥
	२. कथाप्रदीप }	८	सं.		का. ६४				
१५७०९	मेघकुमाररास	३	गु.	जिनमाणिक्यशिष्य	गा. ४६		१८मो	,,	९॥। X ४।
१५७१०	रत्नशेखररास-पञ्चपर्वीरास	८	,,	हंसरत्न			,,	,,	१०॥ X ४॥
१५७११	पाक्षिकसूत्र खामणां	७	प्रा.		३००		१७मो	उत्तम	१०॥ X ४॥
१५७१२	दशवैकालिकसूत्रावचूरि	८	सं.				१४८०	,,	१०॥ X ४॥
१५७१३	योगशास्त्र प्रकाश १-४	१८	,,	हेमचन्द्राचार्य			१७मो	,,	१०॥ X ४॥
१५७१४	श्राद्धदिनकृत्य	६	प्रा.	देवेन्द्रसूरि	३४५		१६मो	,,	१०॥ X ४॥
१५७१५	महावीरचरित्रस्तुति	२	,,	जिनवल्लभ			१७मो	मध्यम	१०। X ४॥
१५७१६	अष्टादशजिनस्तोत्र सावचूरि अस्मद्-युष्मद्रूपगर्भित	४	सं.	सोमसुन्दरसूरि			१६मो	उत्तम	१०। X ४॥
१५७१७	बृहत्कल्पगतविचार	३	प्रा.सं.				१७मो	,,	१०॥ X ४॥
१५७१८	ज्ञानार्णवगतसंसर्गप्रकरण	३	सं.	शुभचन्द्राचार्य दिगम्बर	१४७		,,	,,	१०॥ X ४॥
१५७१९	सुदर्शनरास-शीलप्रबन्ध	६	गु.	मुनिसुन्दरसूरिशिष्य	गा.२६०	१५७१	१६४५	,,	१०॥ X ४॥
१५७२०	सुरप्रियकुमाररास	८	,,	लावण्यसमय	गा. २११	१५६७	१७मो	,,	१०॥ X ४॥
१५७२१	उपशमकुलक	१	अप.		गा. १०		१६मो	,,	१०। X ४॥
१५७२२	सम्बोधसप्ततिकाप्रकरण	७	प्रा.	रत्नशेखरसूरि	गा. १३१		१९मो	,,	१०। X ४॥
१५७२३	पडिलेहणाकुलक सस्तबक	३	प्रा.गु.	विजयविमल-वानरर्षि	मू.गा. २८		१८मो	,,	१०॥ X ४॥
१५७२४	गुणस्थानक्रमारोहप्रकरण	५	सं.	रत्नशेखरसूरि	१३५	१४७७	,,	,,	१०॥ X ४॥
१५७२५	उपस्थापनाविधि	२	प्रा.				१७मो	,,	१०। X ४॥
१५७२६	श्रावकव्रतभङ्गप्रकरण	४	,,		गा. ४१		१६६४	,,	१०। X ४॥
१५७२७	कायस्थितिप्रकरणवृत्ति	४	सं.	कुलमण्डनसूरि			१७मो	,,	१०। X ४॥

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५७२८	योगपावडी	६	हिन्दी	गोरखनाथ	गा. ६७		१७२७	उत्तम	१०। X ४।।
१५७२९	मनुष्यक्षेत्रगणित	४	सं.				१८मो	,,	१०।। X ४।।
१५७३०	चतुर्विंशतिजिनस्तुतिसावचूरि पञ्चपाठ	२	,,				१७मो	,,	१०।। X ४।।
१५७३१	दान-शील-तप-भावना संवाद	२	गु.	समयसुन्दर	१६६२		१८मो	,,	१०।। X ४।।
१५७३२	मोकली आराधना	३	प्रा.गु.				,,	,,	१०।। X ४।।
१५७३३	मोकली आराधना	३	,,				१६मो	,,	१०।। X ४।।
१५७३४	कल्याणमन्दिरपादपूर्तिरूप केशवजीस्तुति सस्तबक	६	सं.गु.	प्रेमजी मुनि	का. ४४		१८मो	उत्तम	१०।। X ४।।
१५७३५	पाक्षिकसूत्र[१]	७	प्रा.		३००		१५५९	जीर्णप्राय	१०।। X ४।।
१५७३६	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण	५	,,	देवेन्द्रसूरि	३४१		१६मो	मध्यम	१०।। X ४।।
१५७३७	१. गौतमदृष्टान्त	१	,,		गा. ११		,,	उत्तम	१०। X ४।।
	२. रहनेमि-राजीमतीचरित्ररास				गा. ११				
१५७३८	होलिकाकथा गद्य	८	सं.	भावप्रभसूरि		१७८२	१९मो	,,	१०।। X ४।।
१५७३९	अञ्चलमतदलनप्रकरण[२]	१४	,,	हर्षभूषण कवि	१,०००	१४८०	१६मो	,,	१०।। X ४।
१५७४०	अंगुलविचार-मलयगिरिवृत्तिगत	२	,,				१७मो	,,	१०। X ४।।
१५७४१	ज्ञानविमलकृतस्वाध्यायसङ्ग्रह	२३	गु.	ज्ञानविमलसूरि			१८मो	,,	१०।। X ४।।।
१५७४२	जीवविचार बालावबोधसह	११	प्रा.गु.	मू. शान्तिसूरि	मू.गा. ५०		,,	,,	१०।।। X ४।।।
१५७४३	भरटकद्वात्रिंशिका सटीक त्रिपाठ	१०	सं.	टी. साधुराजशिष्य	४२५		१७मो	,,	१० X ४।
१५७४४	धातुपारायण	५७	,,	हेमचन्द्राचार्य			,,	,,	१०।। X ४।।
१५७४५	सिद्धहेमशब्दानुशासनलघुवृत्ति षष्ठसप्तमाध्यायावचूरि-तद्धितवृत्त्यवचूरि	२७	,,				१५३५	,,	१०।। X ४।।
१५७४६	हेमद्व्याश्रयमहाकाव्य सटीक षष्ठपादपर्यन्त	४७	,,	मू. हेमचन्द्राचार्य					
			,,	टी. अभयतिलकगणि			१५३०	मध्यम	१०।। X ४।।
१५७४७	जन्मपत्रीपद्धति	३२	,,				१८मो	उत्तम	१०।। X ४।।।
१५७४८	अभिधानचिन्तामणिनाममाला स्वोपज्ञटीकासह	२०६	,,	हेमचन्द्राचार्य	१०,०००		१७मो	,,	१०।। X ४।।

१. प्रति उंदरे करडेली छे. २. आदिना पत्रोना अक्षरो घसाई गया छे अने किनारी उंदरे करडेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५७४९	सारस्वतप्रासादवृत्ति[1]	२-५६	सं.	वासुदेव भट्ट		१६३४	१८मो	उत्तम	१०। X ४।।
१५७५०	मेघदूतमहाकाव्यसटीक त्रिपाठ[2]	५४	,,	मू. महाकवि कालिदास, टी.महिमासिंह		टी. १६९३	१७२६	जीर्ण	१०। X ४।।।
१५७५१	सिद्धहेमशब्दानुशासन तृतीयाध्याय तृतीय पादथी चतुर्थाध्यायपर्यन्त अवचूरि-आख्यातवृत्त्यवचूरि[3]	८८	,,				१६मो	उत्तम	१०। X ४।।
१५७५२	शतसंवत्सरिका	३५	,,				१७मो	,,	१०। X ४।।
१५७५३	सिद्धहेमशब्दानुशासन सप्तमाध्यायपर्यन्त मूत्रपाठ	३६	,,	हेमचन्द्राचार्य			,,	,,	१०। X ४।।
१५७५४	सारस्वतव्याकरण	४७	,,	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			,,	,,	१०। X ४।।
१५७५५	अभिधानचिन्तामणिनाममाला	४९	,,	हेमचन्द्राचार्य	१,५९१		१६७८	,,	१० X ४।।
१५७५६	सारस्वतधातुपाठ अपूर्ण	७	सं.				१७मो	उत्तम	९।।। X ४।।
१५७५७	धातुपाठ[4]	७	,,	नयविमल (?)			१८मो	,,	९।।। X ४।
१५७५८	श्रीपालरास	३७	गु.	उपा. यशोविजयजी तथा नयविजयजी		१७३०	१७६३	,,	९।।। X ४।।
१५७५९	अधिकमासपर्युषणाचर्चा	५७	,,		१,८२४		१६६९	,,	९।।। X ४।।
१५७६०	बोलविचार	४	,,				१९मो	,,	१० X ४।।
१५७६१	शीलोपदेशमाला सस्तबक	३०	प्रा.गु.	मू. जयकीर्ति	मू.गा. ११६		१८मो	,,	१० X ४।।
१५७६२	विचारगाथा	३	प्रा.		१५०		,,	,,	९।।। X ४।।
१५७६३	कर्मग्रन्थत्रिकयन्त्र	११	गु.				१७मो	,,	१० X ४।।
१५७६४	पञ्चनिर्ग्रंथी बालावबोधसह	१५	प्रा.गु.		५७०		१८मो	,,	१० X ४।।
१५७६५	हेमलिङ्गानुशासन	५	सं.	हेमचन्द्राचार्य			,,	,,	१० X ४।।
१५७६६	विक्रमनृपकथा	२	,,				१७मो	,,	९।।। X ४
१५७६७	१. पाक्षिकसूत्र २. सकलार्हत्स्तोत्र	८	प्रा. सं.				,,	,,	१० X ४।
१५७६८	द्रव्यसङ्ग्रह सस्तबक	१२	प्रा.गु.	मू. नेमिचन्द्र, स्त. हंसराज			१७१६	,,	१० X ४।।

१. पत्र १लुं ५मुं अने ७थी १५ नथी. २. प्रति उंदरे करडेली छे. ३. पत्र ६ठ्ठुं नथी. ४. नयविमले लखेली प्रति.

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५७६९	जयतिहुयणस्तोत्र सस्तबक	५	अप.गु.	मू. अभयदेवसूरि			१९मो	उत्तम	१० × ४।
१५७७०	मौनएकादशीकथा	७	सं.	रविसागर	२०१	१६५७	१६७२	,,	१० × ४
१५७७१	गौतमकुलक सस्तबक	३	प्रा.गु.		८०		१८मो	उत्तम	९।।। × ४
१५७७२	योगसार	८	अप.	जोगचन्द्रमुनि	कडी १०८		१७२१	,,	१० × ४
१५७७३	देववन्दनादिभाष्यत्रय	८	प्रा.	देवेन्द्रसूरि			१७९१	जीर्ण	१० × ४।
१५७७४	सम्यक्त्वपञ्चविंशतिका सावचूरि पञ्चपाठ	२	प्रा.सं.				१७मो	उत्तम	१० × ४।
१५७७५	गौतमपृच्छा बालावबोधसह	६	प्रा.गु.				,,	,,	९।।। × ४।।
१५७७६	अभिधानचिन्तामणिनाममाला प्रथमकाण्ड अपूर्ण[1]	३	सं.	हेमचन्द्राचार्य			१९मो	,,	१० × ४।
१५७७७	१. दिगम्बर ८४ बोल आदि चर्चा २. आनन्दघनजीनां छ पदो	१३	गु.	१. उपा. यशोविजयजी २. आनन्दघनजी			१७३२	,,	१० × ४।।
१५७७८	छत्रीसबोल	१०	,,		४०५		१७५२	,,	९।।। × ४।।
१५७७९	नवतत्त्वप्रकरण	३	प्रा.		३३		१९मो	,,	९।।। × ४।
१५७८०	कविकल्पद्रुम धातुपाठ	१२	सं.	बोपदेव	३६८		१८मो	,,	९।।। × ४।।
१५७८१	उपदेशरत्नमाला सस्तबक	४	प्रा.गु.				१७३९	,,	९।।। × ४।
१५७८२	कायस्थितिप्रकरण सावचूरि त्रिपाठ	५	प्रा. सं.				१८मो	,,	९।।। × ४।
१५७८३	साधुप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक	१०	प्रा.गु.				१६७५	,,	९।।। × ४।।
१५७८४	शीलोपदेशमालाप्रकरण	९	प्रा.	जयकीर्ति	गा. ११५		१७मो	,,	९।।। × ४
१५७८५	सङ्ग्रहणीप्रकरण	११	,,	श्रीचन्द्रसूरि			१७५३	,,	९।।। × ४।।
१५७८६	चतुर्विंशतिजिनस्तुति	२	सं.	धर्मघोषसूरि	का. २८		१७मो	मध्यम	९।। × ४।
१५७८७	यतिदिनचर्या	१३	प्रा.	देवसूरि	गा. ३८९		,,	उत्तम	१० × ४।।
१५७८८	१. कल्याणमन्दिर स्तोत्र २. रोहिणीपर्वस्तुति	६	सं.	१. सिद्धसेनसूरि २. उदयसागर	का. ४४		१६८१	,,	९।।। × ४।
१५७८९	षडावश्यकसूत्र	५	प्रा.सं.				१८मो	जीर्ण	१० × ४।।
१५७९०	साधुप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक	५	प्रा.गु.				,,	उत्तम	१०। × ४।
१५७९१	अनेकार्थध्वनिमञ्जरी	७	सं.				१६७७	मध्यम	१० × ४।

१. प्रति उंदरे करडेली छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५७९२	जीवसमासप्रकरण	८	प्रा.		गा. २८६		१६४५	उत्तम	१० × ४।
१५७९३	किरातार्जुनीयमहाकाव्य अपूर्ण	४	सं.	भारवि			१९मो	,,	१० × ४॥
१५७९४	पाक्षिकसूत्र	१०	प्रा.		३००		१८मो	मध्यम	१० × ४॥
१५७९५	ग्रहागम[1]	२५	सं.	भास्कराचार्य			,,	उत्तम	१०। × ४।
१५७९६	ऋषभपञ्चाशिका सावचूरि पञ्चपाठ[2]	२	प्रा. सं.	मू. धनपाल कवि			१५२२	,,	१०। × ४॥
१५७९७	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र सटीक त्रिपाठ[3]	८	सं.	मू. जिनप्रभसूरि टी. कनककुशलगणि	५०१	टी.१६५२	१७मो	,,	१०॥ × ४।
१५७९८	कर्मस्तव कर्मग्रन्थ बालावबोध सह	११	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि			१८मो	,,	१०। × ४।
१५७९९	योगविधि	८	गु.				,,	,,	१०॥ × ४॥
१५८००	आत्मानुशासन	२	सं.	पार्श्वनाग	७७	१०४२	१६मो	मध्यम	१०॥ × ४॥
१५८०१	चतुःशरणप्रकीर्णक बाला०सह पञ्चपाठ	६	प्रा.गु.				१७मो	,,	१०॥ × ४॥
१५८०२	साधुप्रतिक्रमणसूत्रावचूरि	७	सं.		३४८		१५मो	,,	१०॥ × ४॥
१५८०३	देववन्दनादिभाष्यत्रय	६	प्रा.	देवेन्द्रसूरि			१६मो	,,	१०॥ × ४॥
१५८०४	द्विजवदनचपेटा	१८	सं.	हेमचन्द्रसूरि			,,	उत्तम	१०॥ × ४॥
१५८०५	जयतिहुयणस्तोत्र	३	अप.	अभयदेवसूरि	का ३०		१७मो	,,	१०॥ × ४॥
१५८०६	वनस्पतिसप्ततिका सावचूरि त्रिपाठ	२	सं.	मू. मुनिचन्द्रसूरि			१५४१	,,	१०। × ४॥
१५८०७	सूर्योपदशादि	६	,,				१८मो	,,	१० × ४॥
१५८०८	पुनडकथा	२	,,				१७मो	मध्यम	१०॥ × ४॥
१५८०९	१ सिद्धदण्डिकाविचार २. पुद्गलषट्त्रिंशिकावचूरि ३. वनस्पतिसप्ततिकावचूरि ४. भयस्थितिस्तवावचूरि ५. निगोदषट्त्रिंशिका सटीक ६. अल्पबहुत्वावचूरि ७. कायस्थितिप्रकरणावचूरि ८. भाष्यत्रयावचूरि	१२	प्रा.सं.				१६मो	उत्तम	१०॥ × ४॥
१५८१०	पालगोपालकथा	४	सं.	जिनकीर्तिसूरि			१६२२	,,	१०॥ × ४॥
१५८११	स्वरोदय	२	,,		७६		१७मो	,,	१० × ४॥

१. ज्योतिषग्रन्थ. २. अवचूरि अपूर्ण. ३. आदिः ऋषभनम.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५८१२	नवतत्त्वप्रकरण सटीक	६	प्रा.सं.	टी. साधुरत्नसूरि			१६मो	उत्तम	१०।। X ४।।
१५८१३	शीलोपदेशमालाप्रकरण	६	प्रा.	जयकीर्तिसूरि	गा. ११५		१७मो	,,	१० X ४।।
१५८१४	गौतमपृच्छा बालावबोध सह	७	प्रा.गु.		१९८		,,	,,	१०। X ४।
१५८१५	अल्पबहुत्वाधिकार	२.	प्रा.सं.				,,	,,	१०।। X ४।।
१५८१६	वनस्पतिसप्ततिका सावचूरि	२	सं.	मू. मुनिचन्द्रसूरि	गा. ७७, ग्र.१८५		१६मो	,,	१०। X ४।।
१५८१७	१. मङ्गल्यस्तोत्र २. सद्भक्त्या ० स्तोत्र ३. चत्तारि अट्ठदस ० गाथा विवरण पञ्चपाठ	३	सं.प्रा.	१. धर्मसूरि ३. देवेन्द्रसूरि	का. १४ का. ८ गा. १५		१७मो	,,	१०।। X ४।।
१५८१८	षडावश्यकसूत्र	८	प्रा.				,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५८१९	पच्चक्खाणभाष्य[1]	४	,,		गा. ५७		१६मो	उत्तम	१०।। × ४
१५८२०	कथासङ्ग्रह[2]	१७	प्रा. सं.				१७मो	,,	१०। × ४।।
१५८२१	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	१६	प्रा.	सुधर्मास्वामि	७९०		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५८२२	दीपालिकाकल्प	१५	सं.	विनयचन्द्रसूरि		१३४५	१६५१	,,	१०। × ४।।
१५८२३	सङ्ग्रहणीप्रकरण	१६	प्रा.	श्रीचन्द्रसूरि	गा. ३१३		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५८२४	पाशाकेवली	७	सं.	गर्गर्षि			,,	,,	१०। × ४।।
१५८२५	पालगोपालचरित्र	६	,,				,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५८२६	सन्देशरासक	१७	अप.				,,	,,	१०। × ४।
१५८२७	पिण्डविशुद्धिप्रकरण टिप्पणीसह पञ्चपाठ	२	प्रा. सं.	जिनवल्लभगणि	गा. १०३		१६मो	जीर्णप्राय	१०।। × ४।
१५८२८	कल्याणमन्दिरस्तोत्र	३	सं.	सिद्धसेनसूरि	का. ४४		१६४७	उत्तम	१०।। × ४।
१५८२९	ऋषिमण्डलप्रकरण टिप्पणी-पाठान्तर सह	९	प्रा.	धर्मघोषसूरि	गा. २०८		१६मो	,,	१०। × ४।।
१५८३०	वनस्पतिसप्ततिकाप्रकरण	३	,,	मुनिचन्द्रसूरि	गा. ७७		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५८३१	करेमि भन्ते० आदि सूत्र सस्तबक	२	गु.				,,	,,	१०।। × ४।।
१५८३२	विवेकमञ्जरीप्रकरण	४	प्रा.	आसड	गा. १४४, ग्र.१८०	१२४८	१६मो	,,	१०। × ४।
१५८३३	सङ्ग्रहणीप्रकरण अवचूरि	११	सं.				१४९६	,,	१०।। × ४।।
१५८३४	जयतिहुअणस्तोत्र सस्तबक	४	अप.गु.	मू. अभयदेवसूरि			१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८३५	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका वार्तिकसह त्रिपाठ	७	प्रा.गु.	वा. सहजरत्नसूरि	मू. गा. ३२		१७०८	उत्तम	१० × ४।।
१५८३६	पाक्षिकसूत्र सस्तबक	१५	,,		४५०		१८०५	,,	१० × ४।।

१. देवेन्द्रसूरिथी अन्य. २. कथाओ ५१ छे.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५८३७	पञ्चम कर्मग्रन्थ सस्तबक	२५	प्रा.गु.	मू. देवेन्द्रसूरि	७६०		१७३५	उत्तम	१० × ४।।
१५८३८	पाक्षिकसूत्र	५	प्रा.		३००		१७मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८३९	पाक्षिकसूत्र	९	,,		३००		१६००	,,	१०। × ४।
१५८४०	आचारोपदेश	९	सं.	चारित्रसुन्दरगणि			१७९४	उत्तम	१०। × ४।।
१५८४१	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	३	,,	मू. सिद्धसेन दिवाकर			१७मो	जीर्ण	१०। × ४।
१५८४२	खंधक आलापक	९	प्रा.				,,	उत्तम	१० × ४।।
१५८४३	प्रत्याख्यानभाष्यावचूरि	२	सं.	सोमसुन्दरसूरि			,,	,,	१०। × ४।।
१५८४४	षष्टिशतकप्रकरण	७	प्रा.	नेमिचन्द्र भण्डारी	गा. १६१		,,	,,	१०। × ४।
१५८४५	१. नवतत्त्वप्रकरण				गा. ७२		,,	,,	१० × ४।।
	२. जीवविचारप्रकरण	५	,,	२. शान्तिसूरि	गा. ५१				
१५८४६	देववन्दनादिभाष्यत्रय अवचूरि	९	सं.	सोमसुन्दरसूरि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५८४७	देववन्दनादिभाष्यत्रय सावचूरि त्रिपाठ	१३	प्रा. सं.	मू. देवेन्द्रसूरि			,,	,,	१०। × ४।।
१५८४८	संस्तारकप्रकीर्णक सावचूरि त्रिपाठ	५	,,				१६मो	,,	१०। × ४।।
१५८४९	धनदेव धनमित्रादि कथाओ	५	सं.				१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५८५०	चन्द्रधवलनृप-धर्मदत्तकथा दानविषये	९	,,				,,	,,	१०। × ४।।
१५८५१	ज्ञानपञ्चमीकथा	६	,,	कनककुशल	१५२	१६५५	,,	,,	१०। × ४।
१५८५२	वीतरागस्तोत्र	७	,,	हेमचन्द्राचार्य			,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५८५३	नमिराजर्षिआदिप्रत्येकबुद्धचतुष्ककथा	१७	प्रा.				,,	उत्तम	१०।। × ४
१५८५४	योगशास्त्र प्रकाश १-२	७	सं.	हेमचन्द्रचार्य			१८मो	,,	१०। × ४।
१५८५५	योगशास्त्र प्रकाश १-४	२०	,,	हेमचन्द्रचार्य			१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८५६	१. सिन्दूरप्रकर	५	,,	१. सोमप्रभाचार्य	का. ९४		१६४१	जीर्णप्राय	१०। × ४।
	२. चर्पटवाक्य								
१५८५७	तंदुलवेयालियप्रकीर्णक	१०	प्रा.				१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८५८	सङ्ग्रहणीप्रकरण	४	,,	श्रीचन्द्रसूरि	गा. २७६		१५मो	,,	१०। × ४।
१५८५९	षडावश्यकसूत्र	८	,,				१७मो	जीर्णप्राय	१०। × ४।.
१५८६०	षड्दर्शनसमुच्चय संक्षिप्तटीका सह पञ्चपाठ	२४	सं.	मू. हरिभद्रसूरि	मू. ८७.टी.१,२५२		,,	उत्तम	१०। × ४।

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५८६१	ऋषिमण्डलप्रकरणावचूरि	९	सं.				१७मो	उत्तम	१०।। × ४।
१५८६२	१. आउरपच्चक्खाण बाला०सह पञ्चपाठ			१. हर्षकुलगणि	गा. ६७		,,	,,	
	२. भक्तपरिज्ञा बाला०सह पञ्चपाठ				गा. १७१				
	३. महापच्चक्खाण बाला०सह पञ्चपाठ	२०	प्रा.गु		गा. १४२		,,	,,	१०।। × ४।.
	४. संस्तारकप्रकीर्णक बाला०सह पञ्चपाठ				गा. १२१				
१५८६३	कुमताहिविषजांगुली-धर्मसागरोपाध्याय-खण्डन	१३	सं.	रत्नचन्द्रगणि	५१८	१६७७	,,	,,	१०। × ४।।
१५८६४	पुष्पमालाप्रकरण	१८	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि	गा. ५०५		१६मो	मध्यम	१०।। × ४।
१५८६५	पर्यन्ताराधनाप्रकरण बाला०सह पञ्चपाठ	४	प्रा.गु.	मू. सोमसूरि	मू.गा. ७०		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५८६६	ऋषिमण्डलप्रकरण	९	प्रा.	धर्मघोषसूरि	गा. २११		१६६७	मध्यम	१०। × ४।।
१५८६७	वीतरागस्तव सावचूरि	२२	सं.	मू. हेमचन्द्राचार्य			१६७१	उत्तम	१० × ४।
१५८६८	जयतिहुयणस्तोत्र[1]	४	अप.	अभयदेवसूरि	कडी ३०		१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८६९	जयतिहुयणस्तोत्र	४	,,	अभयदेवसूरि	कडी ३०		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५८७०	ज्ञानपञ्चमीकथा	४	सं.	दानचन्द्र	१७३	१७०५	१८मो	मध्यम	१० × ४।।
१५८७१	१. तत्त्वार्थसूत्र			१. वाचक उमास्वाति					
	२. आप्तपरीक्षा	११	,,		१२४		,,	उत्तम	९।।। × ४।।
	३. इष्टोपदेश				५३				
१५८७२	यतिप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक	११	प्रा.गु.				१७मो	मध्यम	१०।। × ४।।
१५८७३	पाइयलच्छीनाममाला	८	प्रा.	धनपाल कवि	२८०		,,	उत्तम	१०। × ४।।
१५८७४	कुरुचन्द्रकथा गद्य-वसतिदाने	३	सं.				,,	,,	१० × ४।।
१५८७५	अजितशान्तिस्तव छन्दोलक्षणसह सावचूरि पञ्चपाठ	५	प्रा.सं.	मू. नन्दिषेण	मू. गा. ४०		१५१६	,,	१०। × ४।।
१५८७६	कूर्मापुत्रकथा	७	प्रा.	जिनमाणिक्यशिष्य अनन्तहंस	गा. १९५		१६००	उत्तम	१०।। × ४।।
१५८७७	समयसारप्रकरण	१४	,,	देवानन्दसूरि			१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५८७८	अजितशान्तिस्तव सावचूरि पञ्चपाठ	४	प्रा. सं.				,,	जीर्ण	१०। × ४।।
१५८७९	मौनएकादशीकथा गद्य	२	सं.			१६०३	१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५८८०	स्थापनाकल्पविधि सस्तबक	४	सं.गु.				१८मो	,,	१०।। × ४।।
१५८८१	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	२.	सं.	मू. सिद्धसेन दिवाकर	मू. का. ४४		१६मो	,,	१०। × ४।।

१. चित्रपुष्पिका चित्रकर्णिका सह.

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५८८२	कायस्थितिप्रकरणावचूरि	५	सं.	कुलमण्डनसूरि			१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५८८३	यतिप्रायश्चित्तदानविधि अपूर्ण	३	,,				,,	,,	१०। × ४।
१५८८४	पिण्डविशुद्धिप्रकरण	३	प्रा.	जिनवल्लभगणि	१०३		१६मो	,,	१०। × ४।।
१५८८५	बोलविचार	११	गु.				,,	,,	१०।। × ४।।
१५८८६	उपधानविधि	२२	,,		६३९		१७मो	,,	१०। × ४।
१५८८७	आगमअष्टोत्तरीप्रकरण सस्तबक	१५	प्रागु.	मू. अभयदेवसूरि	मू.गा.११५, स्त.२९०		१८मो	,,	१० × ४।।
१५८८८	नव्यबृहत्क्षेत्रसमासप्रकरण	१३	प्रा.	सोमतिलकसूरि	गा. ३८४		१७मो	,,	१०। × ४।।
१५८८९	कूर्मापुत्रकथानक	६	,,	अनन्तहंस	गा. १९६		१६१३	,,	१०। × ४।
१५८९०	शाम्ब-प्रद्युम्न-अनिरुद्धकथा	९	,,		२८५		१८मो	,,	१०।। × ४।।
१५८९१	कुरुचन्द्रनृपादिकथाओ-वसत्यादिदानविषये	७	सं.				१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५८९२	चम्पकश्रेष्ठीकथा गद्य-अनुकम्पादाने	७	,,	जिनकीर्तिसूरि			,,	,,	१०।। × ४।।
१५८९३	मोदककथादि कथाओ	६	,,				,,	उत्तम	१०।। × ४।।
१५८९४	श्रुतबोध	२	,,	महाकवि कालिदास	का. ४४		१७मो	,,	१० × ४।।
१५८९५	खर्परतस्करकथा	८	,,				१५८२	,,	१०। × ४।।
१५८९६	१. जवराजऋषिकथा पद्य २. मकरध्वजकथा गद्य	३	,,	१. चन्द्रशेखरसूरि			१५मो	,,	१०।। × ४।।
१५८९७	सोमभीमादिकथाओ-धर्मरत्नप्रकरणगत	५	,,				१७मो	,,	१०। × ४।।
१५८९८	इन्द्रियपराजयशतक सस्तबक	८	प्रा.गु.				,,	मध्यम	१०।। × ४।।
१५८९९	भर्तृहरिशतकत्रय	९	सं.	भर्तृहरि			१७१६	जीर्ण	१०।। × ४।।
१५९००	नव्यबृहत्क्षेत्रसमासप्रकरण	१०	प्रा.	सोमतिलकसूरि	गा. ३८८		१६मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५९०१	मत्स्योदरकथा पद्य	५	सं.				,,	,,	१०।। × ४।।
१५९०२	भक्तामरस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	५	,,				१६०९	,,	१०। × ४।।
१५९०३	महावीरस्वामी आदि स्तोत्रो	५	,,	कल्याणविजयगणि (बधाना			१७मो	,,	१०। × ४।।
१५९०४	कुलध्वजकथा पद्य-परस्त्रीविषये	५	,,		१६१		,,	,,	१०। × ४।।
१५९०५	खन्धकचरित्ररास	९	गु.	पार्श्वचन्द्र	गा. १०२	१६००	१६८१	,,	१०।।। × ४।।
१५९०६	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक त्रिपाठ	१०	प्रा.सं.	मू. हरिभद्रसूरि, टी. प्रभानन्दसूरि	६६७ टी. १३९०		१७मो	,,	१०। × ४।।।

क्रमाक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५९०७	नव्यबृहत्क्षेत्रसमासावचूरि	१२	सं.	सोमतिलकसूरि			१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५९०८	गौतमस्वामिरास	८	गु.	विजयभद्र (विनयप्रभ) ?)	गा. ४७	१४१२	१७८३	उत्तम	१०। × ४।।
१५९०९	गौतमपृच्छाचतुष्पदी	७	,,	लावण्यसमय	गा. ११७	१५४५	१६मो	मध्यम	१०। × ४।।
१५९१०	विवेकमञ्जरीप्रकरण	८ (६८-७५)	प्रा.	आसड	गा. ११४	१२४८	१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५९११	मृगावतीआख्यान	२२	गु.	सकलचन्द्र	गा.४२८		,,	,,	१०।। × ४।।
१५९१२	धना-शालिभद्रचतुष्पदी	९	,,	साधुहंस	गा. २१८	१४५५	,,	,,	१०।। × ४।।
१५९१३	बन्धहेतूदयत्रिभङ्गीप्रकरण यन्त्रसह	५	प्रा.	हर्षकुल	गा. ६५		,,	,,	९।।। × ४।।
१५९१४	१. वीरद्वात्रिंशिका प्रथमा २. वनस्पतिसप्ततिका	३	,,	१ सिद्धसेन दिवाकर २. मुनिचन्द्रसूरि	का. ३२ गा. ७२		१७१४	,,	१०। × ४।
१५९१५	ध्यानस्वरूपरास	६	गु.	भावविजय		१६९६	१८मो	,,	१०।। × ५
१५९१६	धना-शालिभद्ररास	१०	,,	साधुहंस	गा. २१९	१४५५	,,	मध्यम	१०। × ४।।
१५९१७	साधुवन्दना	९	,,	पार्श्वचन्द्र	गा. ८५		१७मो	उत्तम	१०।। × ४।।
१५९१८	आलोचनास्तवन	३	,,	समयसुन्दर			१७२६	मध्यम	१० × ४।।
१५९१९	उपदेशमालास्वाध्याय	२	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ३३		१७४८	उत्तम	९।।। × ४।
१५९२०	मयणरेहा ढाल	२	गु.	समयसुन्दर	गा. २८		१८मो	,,	१०। × ४।
१५९२१	१. प्राघुंर्णकस्तवन २. सामायिकदोषस्वाध्याय	३	,,	१. ब्रह्मभक्त	गा. ५९ गा. २१		,,	,,	१०।। × ४।।
१५९२२	ऋषभदेवस्तवन	३	,,	कुशलहर्ष	गा. ६६		,,	,,	१०।। × ४।।
१५९२३	धर्मनाथस्तवन	६	,,	विनयविजय	गा. १३८	१७१६	,,	,,	१०। × ४।।
१५९२४	१. साधुप्रतिक्रमणसूत्र २. देवसि-राई अतिचार	३	प्रा.गु.				,,	,,	१०। × ४।
१५९२५	हरियाली-गीत-भास प्रमुख	, ५	गु.				,,	,,	१०।। × ४।।
१५९२६	लघुशान्तिस्तव	१	सं.	मानदेवसूरि	गा. १९		१९मो	,,	१०। × ४।।
१५९२७	विमलमन्त्रीरास प्रथमखण्ड	९	गु.	लावण्यसमय	गा. ९६		१६१५	,,	१०।। × ४।।
१५९२८	सीमन्धरजिनस्तवन	२	,,	उपा. भक्तिलाभ	गा. १८		१८मो	,,	१०। × ४।।
१५९२९	हरिश्चन्द्रचतुष्पदी	१२	,,	सुन्दर	गा. २७७		,,	,,	१०। × ४।।

क्रमांक	पुस्तकनु नाम	पत्र	भाषा	कर्ता	श्लोकसंख्या	रचनासं.	लेखनसं.	स्थिति	लम्बाई-पहोलाई
१५९३०	तीर्थमालास्तवन	२	गु.	प्रेमविजय	गा. ४१	१६४७	१७मो	उत्तम	१०। × ४।
१५९३१	आषाढभूतिचतुष्पदी पिण्डविशुद्धिविषये	१२	,,	ज्ञानसागर	३५१	१७२४	१८मो	,,	१०। × ४।।
१५९३२	शान्तिनाथस्तवन रागमालाबद्ध	२	,,	सहजविमल	गा. ३४		१६७६	,,	१०। × ४।।
१५९३३	शंखेश्वरपार्श्वनाथस्तवन	२	,,	हंसभवनसूरि			१९मो	,,	१० × ४।
१५९३४	विहरमानजिनवीसी	७	,,	जिनहर्ष	१६२	१७४५	१७६१	,,	९। × ४।
१५९३५	द्वादशव्रतनियमरास	३	,,	रत्नसिंहसूरि	गा. ३८		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५९३६	जीरावलापार्श्वनाथस्तवन	२	गु.	लावण्यसमय	गा. ३७		१९मो	उत्तम	१०।। × ४।।।
१५९३७	पार्श्वनाथछन्द	२	,,		गा. १२		,,	मध्यम	१० × ४।।
१५९३८	शत्रुंजयचैत्यरिपाटी	२	,,		गा. ४१		१७मो	उत्तम	१०। × ४।।
१५९३९	स्नात्रपूजा	३	,,				१८मो	,,	९।।। × ४।।
१५९४०	गुणस्थानगर्भित वीरस्तवन	२	,,	सहजरत्न	गा. २३		१९मो	,,	९।। × ४।।
१५९४१	पार्श्वनाथराजगीता	२	,,	उदयविजय			,,	,,	१० × ४।।
१५९४२	ओगुणत्रीसीभावना	२	,,		गा. ३१		,,	,,	१०।। × ४।
१५९४३	दशवैकालिकसूत्रस्वाध्याय	६	,,	वृद्धिविजय			१७६७	,,	१०। × ४।।।
१५९४४	पार्श्वनाथनिसाणी	३	,,	जिनहर्ष	गा. २८		१८मो	,,	१०। × ४।।
१५९४५	१. अमृतवेलीसज्झाय }	३	,,		गा. १९		१९मो	,,	१०।। × ४।।
	२. चतुर्विंशतिजिननमस्कार }			२. यशोविजय	गा. २५				
१५९४६	पुद्गलपरावर्तविचारस्वाध्याय	२	,,	कुशलहर्ष	गा. २९		१७मो	,,	१०।। × ४।।
१५९४७	शालिभद्रचतुष्पदी	३	,,		गा. १०४		१६मो	,,	१०।। × ४।।
१५९४८	आदिजिनविनती	३	,,	ऋषभदास	गा. ५५	१६६६	१७मो	,,	१० × ४।।
१५९४९	महावीरजिन २७ भवस्तवन	३	,,	सोमसुन्दरसूरिशिष्य	गा. ३०		,,	,,	१०। × ४।।
१५९५०	१. अष्टापदतीर्थस्तवन }	३	,,	१. समरो	गा. ६२		१६६८	,,	९।।। × ४।।
	२. राईसंथाराविधि }								
१५९५१	जिनप्रतिमाहुंडीरास	४	,,	जिनहर्ष	गा. ६७	१७२५	१८मो	,,	९ × ४।
१५९५२	गुणचन्द्र-पृथ्वीचन्द्ररास	३	,,		गा. ५९		,,	,,	१०। × ४।
१५९५३	उत्तराध्ययनसूत्र अध्ययनो	१२	प्रा.				१७मो	,,	१०। × ४।।
१५९५४	१. शम्भुप्रकृतिशक्तिस्तुति				गा. १४				